आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार
यश भारत
16 वें वर्ष में प्रवेश

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 16 अंक 4- ● जबलपुर ● गुरुवार, 3 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-3 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

फटाफट खबरें

अरुणाचल के मासूम पर चीन की बर्बरता

एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के युवक को 18 जनवरी को चीनी सेना ने बॉडज़र से अगवा कर लिया था। उसे भारत को सौंपने से पहले 8 दिन तक टॉर्चर किया गया। करीब 200 घंटे तक चीनी सेना के हिरासत में रहे युवक मिराम तारोन ने इस मामले में आप-बीती सुनाई है। दिए हालिया इंटरव्यू में 17 साल के मिराम ने कहा- मुझे नहीं पता था कि वे मुझे भारतीय इलाके में ले जा रहे थे या कहीं और। मुझे लगा कि वे मुझे अपने शहर ले जाएंगे और मुझे मार डालेंगे। चीनी सैनिकों आंख पर पट्टी बांधकर मुझे एक कैंप में ले गए। मैं डर गया था, लेकिन डर के मारे रो भी नहीं पा रहा था और कांप रहा था।

रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए 3 हजार अमेरिकी सैनिक पोलैंड-जर्मनी में तैनात होंगे

एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन विवाद पर एक अहम फैसला किया। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में पेंटागन के अफसरों के साथ एक इमरजेंसी मीटिंग के बाद 2 हजार अमेरिकी सैनिकों के जमज़्नी और पोलैंड में तैनात करने का आदेश दिया। रिपोट्सज् के मुताबिक, अमेरिकी सैनिक बहुत जल्द इन देशों के लिए रवाना हो जाएंगे। बाइडेन का फैसला इसलिए अहम हो जाता है, क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन मसले पर बातचीत अटक गई है। दूसरी तरफ, रूस यूक्रेन को तीन तरफ से घेर रहे है। अमेरिका और नाटो को आशंका है कि रूसी सैनिक बेलारूस की सीमा से यूक्रेन पर हमला बोल सकते हैं। यहां करीब 13 हजार रूसी सैनिक तैनात हैं। इस बीच ब्रिटेन और कनाडा ने भी अपने और सैनिक यूक्रेन भेजे जाने को मंजूरी दे दी है।

12 साल बाद राजस्थान में रिकॉर्ड ठंड,जनवरी में 18 दिन चली शीतलहर

राजस्थान। जनवरी महीने में पड़ी ठंड ने 12 साल का रिकॉर्ड तोड दिया। 18 दिन शीतलहर चली, घने कोहरे ने भी जन-जीवन प्रभावित किया। 7 दिन बारिश-ओलावृष्टि के रहे। वहीं कडाके की ठंड ने मौसम विभाग के दावे को फेल कर दिया। मौसम विभाग ने कम सर्दी पड़ने का दावा किया था इस बार रात के साथ-साथ दिन में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। जयपुर मौसम केन्द्र के वैज्ञानिक हिमांशु शर्मा की माने तो तेज सर्दी के पीछे कारण इस बार लगातार और स्ट्रॉन्ग पश्चिमी विक्षोभ रहा। राजस्थान में एक के बाद एक 4 पश्चिमी विक्षोभ आए, जिसके कारण बारिश भी ज्यादा हुई। यही कारण रहा कि जयपुर समेत राज्य के कई जिलों में जनवरी के 31 दिनों में से 18 दिन कोल्ड डे के रहे।

कोवीशील्ड से मौत का आरोप

बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर

डॉक्टर बेटी की मौत के बाद पिता ने 1,000 करोड़ रुपए का मुआवजा मांगा

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र से कोरोना वैक्सीन को लेकर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए एक मेडिकल प्रोफेसर के पिता ने 1,000 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। याचिका में उन्होंने ये आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट से हुई है।

याचिका में कोवीशील्ड वैक्सीन बनाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, इसके सहयोगी बिल गेट्स, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता दिलीप लूनावत के अनुसार, उनकी 33 वर्षीय बेटी स्नेहल लूनावत नागपुर के एक मेडिकल कॉलेज में सीनियर लेक्चरर थी। उसने 28 जनवरी 2021 को कोवीशील्ड की पहली डोज नासिक में ली थी। 5 फरवरी को उसके सिर में तेज दर्द हुआ। डॉक्टर से संपर्क करने पर उसे माइग्रेन की दवा दी गई, जिसे खाकर उसे बेहतर महसूस हुआ। इसके बाद 6 फरवरी को उसने गुड़गांव यात्रा की और 7 फरवरी की सुबह 2 बजे उसे थकान के साथ उल्टी हुई।पास के आर्यन अस्पताल में भर्ती होने पर स्नेहल को कहा गया कि उसके ब्रेन में ब्लीडिंग हो सकती है। न्यूरोसर्जन मौजूद न होने के कारण उसे दूसरे अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर्स ने स्नेहल को दिमाग में खून का थक्का होने की आशंका जताई, जिसके बाद उसे ब्रेन हैमरेज हुआ। डॉक्टर्स ने खून का थक्का हटाने की सर्जरी की। इसके बाद स्नेहल 14 दिन वैंटिलेटर पर भी रही, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

निडिल फ्री कोरोना वैक्सीन की सप्लाई शुरू

फिलहाल 7 राज्यों में किया जाएगा इस्तेमाल

कोरोना वायरस से बचाव के लिए एक और वैक्सीन CoV-D की सप्लाई शुरू हो गई है। खास बात ये है कि यह वैक्सीन निडिल फ्री है यानी इसे लगवाने के लिए किसी प्रकार की सुई चुभने का दर्द सहन नहीं करना होगा। हालांकि अब तक बाजार में आई अन्य कोरोना वैक्सीन की तरह इसके दो नहीं बल्कि तीन डोज लगाए जाएंगे। यह दुनिया की पहली ऐसी वैक्सीन है, जो डीएनए बेस्ड और निडिल फ्री है। इस वैक्सीन को अहमदाबाद की फॉर्मा कंपनी जायडस कैडिला ने तैयार किया है। बुधवार से कंपनी ने इसकी सप्लाई केंद्र सरकार को शुरू कर दी। केंद्र सरकार ने फिलहाल इसकी 1 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया है। यह वैक्सीन उन

लोगों को लगाई जाएगी, जिन्हें अब तक किसी भी वैक्सीन का एक भी डोज नहीं लगा है।उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब समेत सात राज्यों को भी सप्लाई शुरूकंपनी ने COV-D वैक्सीन की सप्लाई केंद्र सरकार के साथ ही सात राज्यों को भी इसकी सप्लाई देनी शुरू कर दी है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब और झारखंड शामिल हैं।कंपनी इसे जल्द ही खुले बाजार में मेडिकल स्टोर्स पर भी बिक्री के लिए उतारेगी। इसकी कीमत 265 रुपए रखी गई है, जबकि 93 रुपए का एप्लीकेटर (इस वैक्सीन को लगाने वाला उपकरण) अलग से खरीदना होगा। इस तरह इसकी कुल कीमत 358 रुपए होगी। 12 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए है वैक्सीन CoV-D को फिलहाल सात राज्यों के लोगों को ही लगाया जाएगा। यह पहली ऐसी वैक्सीन है, जिसे ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने 12 वर्ष और इससे ज्यादा उम्र के लोगों को लगाने की मंजूरी दी है।

शादी में 250 लोगों के शामिल होने की शर्त हट सकती है

कोरोना पाबंदियों में मिल सकती है राहत:आंगनबाड़ियां भी खुलीं

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने 1 फरवरी से कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूल खोल दिए हैं। इसके बाद आंगनबाडी केंद्रों को भी खोल दिया है। गुरुवार से कोरोना प्रोटोकॉल के तहत प्रदेशभर में आंगनबाडी केंद्र खोले जा सकेंगे। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश सरकार ने संकेत दिए हैं कि यदि कोरोना को लेकर यही स्थिति बनी रही, तो पाबंदियां जल्द ही कम की जा सकती हैं। इसमें शादी समारोह में 250 लोगों के शामिल होने की शर्त भी खत्म की जा सकती है। मध्यप्रदेश में कोरोना पॉजिटिविटी रेट में लगातार कमी आ रही

है क्राइसिस कमेटी के मेंबर डॉ. निशांत खरे का कहना है कि पाबंदियां दो प्रमुख बातों को ध्यान में रखकर कम की जाती हैं। पहली बात कि अप्रत्याशित तौर पर पॉजिटिव केस की संख्या न बढे। दूसरी यह कि संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। एक समय पर केस की संख्या से घटने-बढने से ज्यादा असर नहीं प?ता है। अभी हॉस्पिटल एडमिशन रेट बहुत कम हैं। यदि यह रेट कम रहता है और संसाधन उपलब्ध रहते हैं, तो निश्चित रूप से सख्ती कम की जा सकती है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए शादी समारोह सहित अन्य चीजों में राहत दे सकते हैं।डॉ. खरे कहते हैं कि स्कूल कभी न कभी खुलने ही थे। इससे सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों का हो रहा था। बाकी चीजें लगभग-लगभग खुली हैं। वर्तमान में जो पांबदिया हैं, उनको एनालिसिस कर समय अनुसार तय किया जा सकता है।

हाईकोर्ट से शिक्षकों को बड़ी राहत

प्रदेश सरकार को दिया आदेश- प्राइवेट कॉलेज के टीचर्स के सातवें वेतनमान पर निर्णय करें

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से स्वीकृत अनुदान प्राप्त प्राइवेट कॉलेजों के टीचर्स को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने सरकार को कहा है कि ऐसे कॉलेजों के टीचर्स को सातवें वेतनमान का लाभ देने पर विचार किया जाए। जस्टिस अतुल श्रीधरन की एकलपीठ ने मप्र अशासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ की याचिका पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश सरकार को दिए।मप्र अशासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष और जीएस कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. ज्ञानेंद्र त्रिपाठी और डीएन जैन कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. शैलेष कुमार जैन ने याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2014 में मप्र विरुद्ध डॉ. शारिक अली के मामले में दिए दिशा-निर्देशों और न्याय दृष्टांत के आधार पर इस आवेदन पर फैसला लेने को कहा है।

6वें वेतनमान का लाभ मिल चुका है

याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि प्रदेश के सभी शासकीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 7वें वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है। शासकीय की तरह अशासकीय महाविद्यालयों में भी नियुक्ति विश्वविद्यालय अधिनियम और कॉलेज कोड-28 के तहत ही नियुक्तियां होती हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने 2014 अशासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को 6वें वेतनमान का लाभ देने के आदेश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि शासकीय अनुदान प्राप्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी सरकारी कॉलेज के टीचर्स और कर्मचारियों के समान वेतन दिया जाए। प्रदेश में शासन से अनुदान प्राप्त 75 प्राइवेट कॉलेज संचालित हैं।

बसपा के शासन में 364 दंगे

सपा कार्यकाल में 700 से ज्यादा दंगे हुए:योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। योगी के साथ अनुराग ठाकुर, कौशल किशोर और दिनेश शमाजू भी साथ हैं। योगी ने कॉन्फ्रेंस शुरू करने के लिए यूपी सरकार के 5 साल के कामकाज को प्रस्तुत करती एक फिल्म भी दिखाई। यूपी चुनाव के लिए यहां भाजपा का थीम सांग रिलीज किया।योगी ने कहा कि बीते 5 साल में भाजपा सरकार ने क्या किया है, ये बताना मेरा परम दायित्व है। योगी ने कहा कि कोरोना काल में जीवन और जीविका को बचाने के लिए हमने जो किया, उसे दुनिया ने सराहा। योगी ने बताया कि अब तक 26 करोड़ 48 लाख कोविड वैक्सीन के डोज लग चुके हैं। हमारे यहां के छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने राजस्थान के कोटा गए थे, हमने उन्हें लॉकडाउन के दौरान उन्हें सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाया।

नवजोत सिद्धू को कांग्रेस का झटका

उत्तराखंड । कांग्रेस ने नवजोत सिद्धू को बड़ा झटका दिया है। उन्हें उत्तराखंड में प्रचार के लिए कांग्रेस ने अपनी स्टार कैंपेनर लिस्ट में शामिल नहीं किया है। कांग्रेस की तरफ से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और डॉक्टर मनमोहन सिंह समेत 30 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की गई है। इनमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का नाम भी शामिल है, लेकिन सिद्धू का नाम गायब है। सिद्धू के लिए यह बड़ा झटका इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी लोकप्रियता के बल पर ही पंजाब में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस ने उत्तराखंड में उनकी लोकप्रियता के दावे को तरजीह नहीं दी।

दिल्ली में बारिश ने बढ़ाई ठंड

पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी का एलर्ट

दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के फिर से सक्रिय होने से देश के कई राज्यों में फिर से बारिश और बर्फबारी की संभावना बन रही है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और ब?ारी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग देहरादून ने गढ़वाल और कुमाऊं के पर्वतीय जिलों में भारी से लेकर बहुत अधिक भारी बारिश की आशंका जताई है। भारी बारिश और ब?ारी की आशंकाओं को देखते हुए कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी और टिहरी जैसे जिलों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने के भी आसार हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लु, शिमला, स्पीति जैसे इलाकों में अगले 48 घंटों तक भारी बर्फबारी की आशंका जताते हुए येलो एलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में भी बारिश

राजधानी दिल्ली में भी आज मौसम ने करवट ली और कई इलाकों में बारिश हुई। IMD के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आज दिन भर गरज के साथ हल्की से मध्यम श्रेणी की बारिश हो सकती है। हिंडन, लोनी, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में भी इसका असर दिखेगा।

अमेरिका ने अपने एथलीट्स से कहा- रेगुलर मोबाइल फोन चीन न ले जाएं

बीजिंग विंटर ओलिंपिक्स में एक दिन बाकी

न्यूयॉर्क । चीन की राजधानी बीजिंग में शुक्रवार यानी 4 फरवरी से विंटर ओलिंपिक्स का आगाज हो रहा है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों ने खेलों का डिप्लोमैटिक बायकॉट किया है। अब अमेरिका ने एथलीट्स की सुरक्षा के लिहाज से एक और कदम उठाया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी FBI ने अमेरिकी एथलीट्स से कहा है कि वो अपने रेगुलर मोबाइल फोन चीन न ले जाएं, बल्कि इनकी जगह प्रीपेड बर्नर फोन का इस्तेमाल करें।

बर्नर फोन का मतलब ऐसे मोबाइल फोन्स से है, जो सस्ते और कामचलाऊ होते हैं। इन्हें इस्तेमाल के बाद नष्ट यानी डेस्ट्रॉय किया जा सकता है। 2002 में HBO की ड्रामा सीरीज में पहली बार 'बर्नर फोन' शब्द का इस्तेमाल हुआ था। बर्नर टर्म का मतलब यूज एंड थ्रो

माना जा सकता है।

आखिर खतरा किस बात का

अमेरिका और दुनिया के कई देशों को लगता है कि उनके एथलीट्स के फोन के सेफ्टी फीचर्स को किसी बग के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। चीन में इस तरह की हरकतें आम हैं। वो अपने नागरिकों के साथ भी यही हरकत करता रहा है। इससे बचने के लिए ही FBI ने अमेरिकी एथलीट्स को सख्त आदेश जारी किए हैं कि वो अपने आईफोन या स्मार्टफोन घर पर ही छोड़कर जाएं। इनकी जगह टेम्परेरी फोन इस्तेमाल करें। बीजिंग विंटर ओलिंपिक्स 4 से 20 फरवरी तक होंगे।वैसे अमेरिका ही क्यों, कई पश्चिमी देशों की नेशनल ओलिंपिक कमेटीज ने भी अपने एथलीट्स को भेजे सर्कुलर में साफ कहा है कि वे अपने पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बीजिंग लेकर न जाएं, क्योंकि वहां साइबर सिक्योरिटी एक बहुत बड़ा चैलेंज है।

अमेरिकी एजेंसियां पहले ही सतर्क

अमेरिकी अफसर और FBI की साइबर सिक्योरिटी यूनिट पिछले साल फरवरी से ही चीन पर नजर रख रही है।

राजगढ़ कोर्ट का फैसला

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

राजगढ़ । राजगढ़ में नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने के दोषी को विशेष न्यायाधीश पॉस्को एक्ट डॉ.अंजली पारे की अदालत ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। घटना 3 अक्टूबर 2019 की है। आरोपी एक नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर जीप में बैठाकर अगवा कर जंगल में ले गया और जंगल में बनी झोपडी में उसके साथ जबरदस्ती बार-बार दुष्कर्म किया।

पूर्व पुलिस कमिश्नर ने ED को बताया

CM उद्धव ने दिए थे सचिन वझे की बहाली के आदेश

मुंबई । मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने ठाकरे परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) को दिए बयान में परमबीर ने कहा कि 16 साल से सस्पेंड चल रहे मुंबई पुलिस के एपीआई सचिन वझे को बहाल करने के निर्देश सीधे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिए थे। इसके बाद उद्धव के बेटे और राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने भी सचिन वझे को बहाल करने के लिए कहा था।सचिन वझे मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर गाड़ी में विस्फोटक रखने और उस गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के मामलों का मुख्य आरोपी है। फिलहाल वह मुंबई की तलोजा जेल में बंद है। महाराष्ट्र पुलिस ने उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया है। परमबीर पर आरोप है कि उन्होंने जूनियर होने के बावजूद सचिन वझे को कई महत्वपूर्ण केस की जिम्मेदारी दी थी।वझे का नाम सामने आने के बाद परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर भी पुलिस के जरिए 100 करो? की वसूली करने की कोशिश का आरोप लगाया था।

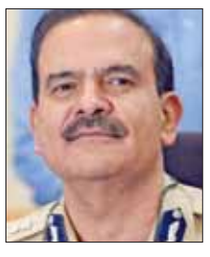

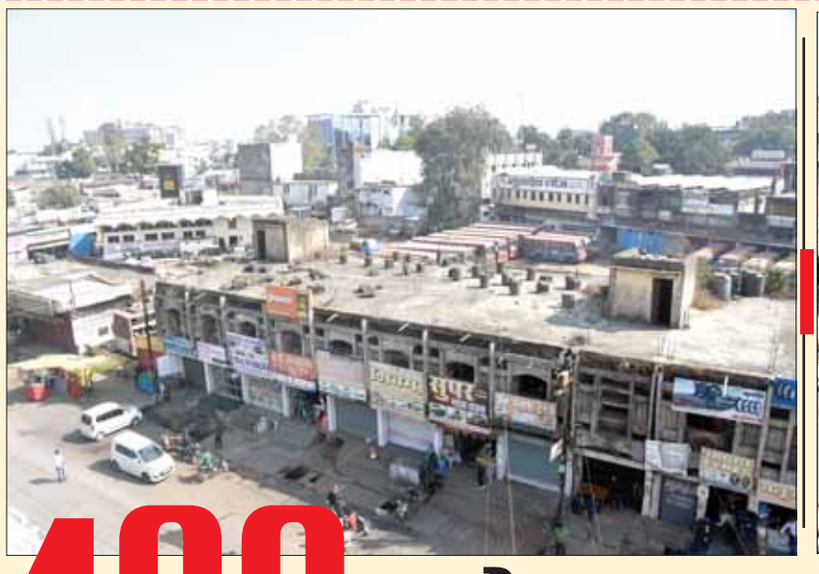

400 करोड़ का प्लान कागजों में दफन

कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स , होटल , हॉस्पिटल , कम्युनिटी हॉल बनाने की योजना तैयार की गई थी

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम ने पुराने बस स्टैण्ड , क्षेत्रीय बस स्टैण्ड , पिसनहारी की मढ़िया के नीचे स्थित बस स्टैण्ड और नगर निगम के पीछे वर्क शॉप व कर्मचारी अधिकारी आवास की जमीन पर कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स , होटल , हॉस्पिटल , कम्युनिटी हॉल बनाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये का प्लॉन तैयार किया गया था ।

उक्त सभी प्रोजेक्ट कागजों में मौखिक रूप से बनाए गए और कागजों में ही दफन हो गए । जबकि इन प्रोजेक्टों से न केवल नगर निगम को करोडों की आमदनी होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी । बल्कि शहर की जर्जर और खप ैल मकानों को हटाने की भी प्लॉनिंग थी । लेकिन इन प्रोजेक्टों पर उस समय पानी फिर गया , जब प्रशासकीय स्वीकृति और एमआईसी की स्वीकृति नहीं मिली । ये सभी प्रोजेक्ट पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) में तैयार कराए जाने थे । लेकिन वे सब कागजों में ही सिमटकर रह गए और पुराने बस स्टैण्ड के जिस जर्जर इमारत को हटाने का प्लॉन तैयार किया गया था । उस जर्जर बिल्डिंग के दुकानदार , होटल वाले बेफिक्र हो गए । जबकि इसके लिए नगर निगम ने पुराने बस स्टैण्ड के रैन बसेरा और यहां पर बने मार्केट के दुकानदारों को हटाने का नोटिस भी जारी किया गया था । लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस पर ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई और उन प्रोजेक्टो को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया । इस प्रकार से जहां पर कॉम्पलेक्स , होटल , हॉस्पिटल बनाया जाना था , उन स्थानों पर अघोषित वाहन स्टैण्ड संचालित हो रहा है । इन प्रोजेक्टों को लांच किया जाना था

कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स प्रोजेक्ट के हाल

पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने प्लॉन तैयार किया था । लेकिन नगर निगम व प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने के कारण इस प्रोजेक्ट पर कोई काम नहीं हो सका और यह प्रोजेक्ट कागजी लेआउट तक ही सीमित रहा । इस पर कोई काम आज तक नहीं हुआ ।

प्रशासनिक अनुमति नहीं मिली इसलिए अटका

पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत नगर निगम के अधिकारयों ने स्मार्ट सिटी के माध्यम से इस प्रोजेक्ट पर भी काम करने के लिए कहा था । यहां पर कामर्शियल कॉम्पलेक्स और हॉस्पिटल बनवाने का प्लॉन था । इस प्रोजेक्ट पर भी एमआईसी व प्रशासनिक अनुमति नहीं मिली , जिसके कारण यह प्रोजेक्ट भी कागजों में ही सिमटकर रह गया।

जमीन नहीं होने के कारण अधर में लटका प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट को भी स्मार्ट सिटी ने अपने प्लॉन में शामिल किया था । कोशिश थी की इस प्रोजेक्ट को पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत लांच किया जाए । लेकिन बाद में पता चला की इस बस स्टेण्ड की जमीन ही नगर निगम के नाम नहीं है , जिस कारण यह प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चल गया और आज तक इस प्रोजेक्ट पर कोई काम नहीं हुआ ।

पीपीपी प्रोजेक्ट के तहत शुरू होने थे काम

कॉम्पलेक्स का काम भी अधर में

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत नगर निगम और स्मार्ट सिटी को न्यू नगर निगम की बिल्डिंग , जिसमें सदन और विभागीय कार्यालय का निर्माण किया जाना था । इसके अलावा कर्मचारी अधिकारी आवास के साथ कामर्शियल काम्पलेक्स का भी निर्माण करने की प्लॉनिंग की गई थी । इसे भी पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत लांच करना था , लेकिन संभव नहीं हो सका । **फोटो- अशोक बर्मन**

जबलपुर में आरटीई के नाम पर फर्जीवाड़ा
स्कूलों कागजों में संचालित

बच्चों का प्रवेश शत-प्रतिशत और शासन से पैसा भी खातों में पहुंच रहा है

जबलपुर, यशभारत। गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके, इसी उद्देश्य से शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया गया. लेकिन जबलपुर में स्कूल माफिया के लिए यह कानून ही फायदे का सौदा बन गया है. जबलपुर में आरटीई के नाम पर ब? फर्जीवा? का खुलासा हुआ है, यहां आरटीई के तहत सरकार से मिलने वाली सब्सिडी को ह ?पने के लिए कुछ स्कूल केवल कागजों में ही चल रहे हैं. इन स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्र अब जमीन पर अपना स्कूल खोज रहे हैं.

कागजों में चल रहे निजी स्कूल

शहर में स्कूल माफिया और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से आरटीई मजाक बनकर रह गई है। गरीब माता-पिता ये सोच कर खुश है कि उनके बच्चे अच्छे स्कूलों में प? रहे हैं, लेकिन उनका भ्रम तब टूटा जब जमीन पर स्कूल कहीं नजर नहीं आया।

किसी दिशा में नहीं है दिशा स्कूल फिर भी दाखिला

दिशा पब्लिक स्कूल और चैंपियन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के नाम से बच्चों का आरटीई के तहत दाखिला ले लिया गया, लेकिन दिशा पब्लिक स्कूल तो कहीं नजर ही नहीं आता। जबकि शटरवाली दुकाननुमा जगह पर चैंपियन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल का नाम लिखा है. लेकिन ये कभी खुलता नहीं।

अभिभावकों को सता रही बच्चों के भविष्य की चिंता

बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना सजा रहे गरीब माता-पिता को अब अपने बच्चे के भविष्य की चिंता सता रही है। कुछ अभिभावक ऐसे हैं, जिनके बच्चे का एक साल पहले दाखिला हुआ और कोरोना के कारण आज तक वो स्कूल नहीं जा पाएं। अब जिनके जरिए एडमिशन हुआ वो फोन नहीं उठाते और स्कूल कहीं दिखाई नहीं देता. ऐसे में जिन छात्रों को इन स्कूलों में दाखिला मिला है, वो छात्र और उनके अभिभावक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं.

डीईओ ने जांच का दिया आश्वासन

नियमों के मुताबिक, शिक्षा के अधिकार के कानून के तहत निजी स्कूलों में 25: सीटें गरीब बच्चों को नि:शुल्क देनी है. जिसके एवज में सरकार द्वारा निजी स्कूल संचालकों को सब्सिडी दी जाती है। पूरा खेल बस इसी का है, जिसमें शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी और स्कूल संचालक मिलकर ऐसे स्कूलों को बना देते हैं जो हकीकत में हैं ही नहीं. सारा काम ऑनलाइन होता है। मामले को लेकर जब जिला शिक्षा अधिकारी से सवाल किया गया तो उन्होंने जांच कराए जाने की बात कही है।

अधिवक्ताओं को मिली सौगात

जबलपुर, यश भारत। जिला बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को राज्यसभा सांसद व वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तंखा से मुलाकात की। इस दौरान जिला बार अध्यक्ष आरके सिंह सैनी व सचिव राजेश तिवारी व जिला बार के प्रतिनिधिमंडल ने जिला बार अधिवक्ता का पुस्तकालय महिला अधिवक्ता पक्ष में कुर्सियों वाटर आरो सीसीटीवी कैमरे व फोटोकॉपी मशीन जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। श्री तंखा ने इन मांगों संबंधी प्रस्ताव को मंजूर कर दिया। वही उन्होंने पाटन अधिवक्ता संघ को कुर्सीया देने का भी प्रस्ताव मंजूर किया। इस दौरान राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि अशोक गुप्ता जिला उपाध्यक्ष अखिलेश चौबे कोषाध्यक्ष अजय दुबे कार्यकारिणी सदस्य राजू वर्मा श्याम सुंदर यादव

जितेंद्र से काजी जियाउल पाटन तहसील अभिषेक अग्रवाल एचएन पटेल आर पी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रघुवीर सचिव खम्परिया मौजूद रहे।

मुकेश पारस अतिक्रमण दल प्रभारी बने

जबलपुर। नगर निगम जबलपुर, को अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ, मध्यप्रदेश जबलपुर के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ नगर निगम जबलपुर का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉन्टिक्स)
रजि. नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहाँ दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
– : सुविधाएँ उपलब्ध :–
दांतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दांतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दांतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दाँत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रेक्शन)।

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU. मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. काडियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

महिला कांग्रेस ने एसपी को ज्ञापन देकर कहा कैफों में अनैतिक गतिविधियां हो रही है

जबलपुर, यशभारत। शहर में इन दिनों पॉश इलाकों में कैफे के संचालन किया जा रहा है, वैसे तो कैफे संचालकों द्वारा प्रशासन,से फास्ट फूड एवं अन्य खाने-पीने की वस्तुओं की परमिशन ली जाती है। परे वास्तव में देखने आ रहा है की इन तथाकथित कैफे की आड़ में अवैध काम के लिए केबिन बने होते हैं इन कैफे में या तो दरवाजा लगा रहता या पर्दा लगा रहता है। इसकी आड़ में पूरे अनैतिक कार्य इन केबिन में होते हैं। यहां तक की पिछले दिनों कई घटनाओं में कैफे के अंदर बने इन केबिनों में बलात्कार की घटनाएं हुई है। कुछ मामलों में स्कूल में पढने वाली नाबालिग बालिकाओं के साथ भी अश्लील हरकतें हुई हैं जिन्हें इज्जत के डर से दबा दिया गया है। महिला उत्पीडन की कुछ बहुचर्चित घटनाएं भी जिनकी शिकायत आपके पुलिस प्रशासन तक पहुंची है। प्रायः स्कूली छात्राएं एवं नाबालिक बालिकाएं को भी इन केबिनों पुरुष मित्रों के साथ संदिग्ध अवस्था मे बैठी रहती है। इस मौके पर स्वाती तिवारी, पूनम खन्ना, सीमा तिवारी, अनीता शुक्ला, अनीता रैकवार आदि मौजूद थे।

Trusted CCTV CAMERA Since- 2009
Sales & Service
AUTH.DEALER- G.S.ELECTRONIC
C.P. Plus, Hikvision, Dahua
0% फायनेंस उपलब्ध हैं।
शॉप नं. 127, कछपुरा ब्रिज, हनुमान मंदिर के सामने, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर Mob:-9098983263,9131193852

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से 70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला –गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
करमचंद चौक, जबलपुर
मो.: 9425159114, 8982481114
Exclusive Party Shoes
प्रो- आकाश श्रीवास्तव

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एम्पोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल, कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी रंग डिजाइन, मिंक कम्बल, रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK
ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE
KATANGA CROSSING
NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
मकर संक्रांति के फ्रुट आयटम उपलब्ध
→चना →रेबड़ी →गजक →ड्रायफ्रूट
→नमकीन →तोस →लईया →लड्डू →भेल
Pure & Tasty AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

अब नये परिवेश में
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नीशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कम्बल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

ये है जबलपुर का RDU

2014 में आखिरी बार नैक की टीम आई थी रादुविवि

जबलपुर, यशभारत। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय नैक (नेशनल असिसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) टीम की ग्रेडिंग कराने से कतरा रहा है । विश्वविद्यालय के जिम्मेदारों को डर सता रहा है कि नैक टीम को बुला लिया गया तो कहीं विवि का बी ग्रेड भी दर्जा न छिन जाये । इसलिये 5 साल बीतने के बाद भी नैक के लिये आवेदन नहीं किया गया । रादुविवि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यहां पर पिछली बार नैक टीम 2014 में आई थी ।

जिसने 6 साल से नैक के लिए आवेदन नहीं किया

उस वक्त विवि एक साल पहले से ही तैयारियों में जुट गया था । तब कहीं जाकर विवि को बी ग्रेड का दर्जा मिला था । 2021 में नैक टीम को पुनः आमंत्रित करना था , लेकिन अभी तक नहीं बुलाया गया । न ही यहां कोई तैयारी की जा रही है ।

क्या होता है नैक ग्रेड

उल्लेखनीय है कि यूजीसी की नैक टीम देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों , निजी शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता की जांच कर ग्रेड देती थी । इस टीम के कारण ही विश्वविद्यालय और कॉलेज अपने स्तर पर संस्था को बेहतर से बेहतर ग्रेडिंग लायक बनाते हैं । ताकि उनकी संस्था को अच्छी ग्रेडिंग मिले । नैक टीम निरीक्षण के दौरान विवि की शिक्षण सुविधाएं , रिजल्ट , इन्फ्रॉस्ट्रक्चर , माहौल सहित हर जरूरी व्यवस्थाओं को काउंट करती है । बताया जाता है कि इसी के आधार पर ही नैक टीम अपनी रिपोर्ट जमा करती है और उसके बाद में ग्रेड जारी होता है ।

ऐसे तय होती है ग्रेडिंग

नैक टीम की निरीक्षण से मिली ग्रेडिंग के आधार पर ही अनुदान की राशि विवि को दी जाती है । ग्रेडिंग से ही तय होता है कि विश्वविद्यालय का स्तर राष्ट्रीय है या और अंतरराष्ट्रीय है । इसी स्तर पर गुणवत्ता तय होती है । ग्रेडिंग के आधार पर ही विवि में चल रहे शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य की रिपोर्ट सार्वजनिक होती है ।

ये ग्रेड दिये जाते हैं

ए प्लस प्लस, ए प्लस, ए , बी प्लस प्लस , बी प्लस , बी , सी , डी ग्रेड दिए जाते हैं ।

इन बिंदुओं को देखा जाता है

विवि में सब्जेक्ट का स्तर क्या है , इसका क्रियान्वयन , शिक्षा

की गुणवत्ता , शिक्षक व विद्यार्थियों का प्रोफाइल , विद्यार्थियों की क्षमता , कौशल का विकास शोध के संसाधन , शोध की गुणवत्त एवं शोध का प्रकाशन व उसकी गतिविधियां, शक्षण संस्था में भौतिक सुविधाएं पुस्तकालय , सूचना एवं प्रोद्योगिकी की व्यवस्था , संस्थान का रखरखाव, विद्यार्थियों की हर संभव सहायता, संस्था का विजन , कार्यप्रणाली वित्त प्रबंधन , शैक्षणिक प्रबंधन, विश्वविद्यालय का सामाजिक दायित्व।

बी ग्रेड भी न छिन जाए विवि इसका डर सता रहा

पहले नैक टीम के सदस्य को सेट कर लिया जाता है । उनसे मनचाहा ग्रेडिंग ले लिया जाता था । लेकिन नैक के नये नियमों के चलते यह मनमानी खत्म हो गई है । नैक टीम अब सीधे विवि व कॉलेज की स्थिति जानने के लिये विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से फोन व ई - मेल के जरिये फीडबैक लेती है । इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों की सभी व्यवस्थाएं व खामियों का अलग - अलग टीम के सदस्यों द्वारा लिया जाता है । रादुविवि के जिम्मेदारों को डर है । वे जानते हैं कि नैक टीम को मूल्यांकन के लिये बुला लिया गया तो बी ग्रेड भी छिन सकता है । इसलिये नैक टीम के लिये आवेदन नहीं किया जा रहा है । विद्यार्थियों के भविष्य पर असर नैक टीम से ग्रेडिंग न कराने का सबसे ज्यादा नुकसान विद्यार्थियों का होगा । बताया जाता है कि वर्तमान में विवि व महाविद्यालय को विद्यार्थियों की मार्कशीट पर अपना ग्रेड लिखना पडता है । बडी कंपनियां उन्हीं कॉलेजों में प्लेसमेंट के लिए जा रही हैं । जिनका ग्रेड बी डबल प्लस , ए या ए डबल प्लस होता है । ऐसे ग्रेड वाले विद्यार्थियों को कंपनियां हाथों - हाथ ले लेती है । वहीं सी एवं डी ग्रेड वाले शिक्षण संस्थाओं में कोई भी कंपनी नहीं जाती है । वहां के विद्यार्थियों के भविष्य पर खासा असर पडता है ।

डीओपीटी के आदेश निर्देश को बता रहा धता

अब सीओडी प्रशासन मनमानी पर उतारू

जबलपुर यशभारत। गत दिवस अचानक एक आदेश के माध्यम से कर्मचारियों का लेट का पैसा काटन के फरमान के बाद उपजे आक्रोश के चलते जब मस्टरिंग जाम की धमकी दी धमकी दी गई तोसीओडी प्रशासन हरकत में आया।उसने यूनियन नेताओं को चर्चा के लिए बुला कर बातचीत के माध्यम से रास्ता निकालने की बात की। औद्योगिक शांति बरकरार रखने यूनियन ने प्रशासन का सहयोग किया। लेकिन एक ही दिन बाद सीओडी प्रशासन की मनमानी उस समय फिर देखने मिली जब केंद्र शासन के कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय द्वारा जारी आदेशों की अवहेलना करते हुए डिपो कमांडेंट ने पूरे डिपो को 4 फरवरी से पूरी क्षमता से चलाने के साथ कर्मचारियों की हाजिरी के लिए थंब इंप्रेशन अनिवार्य कर दिया। सूत्रों के अनुसार बुधवार को सीओडी प्रशासन ने डिपो की चारों यूनियन के प्रतिनिधियों को बुलाकर अपनी मंशा जाहिर कर दी। जिससे सभी में पुनः आक्रोश पनप गया। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी 2021 को केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए पूर्व के निर्देशों की समीक्षा करते हुए नए निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कर्मचारियों की उपस्थिति 50 फ़ीसदी के साथ हाजिरी के लिए थंब इंप्रेशन में 28 फरवरी तक के लिए छूट जारी कर दी है। जिसमें कहा गया है कि संस्थान में आधे कर्मचारी एक दिन छोड़कर ड्यूटी पर आएंगे। इसके साथ ही हाजिरी लगाने के लिए थंब इंप्रेशन ना करते हुए रजिस्टर में हस्ताक्षर कर हाजिरी को अनिवार्य कर दिया है ।लेकिन इसके उलट सीओडी प्रशासन ने 2 फरवरी को सभी चारों यूनियनोंनों के प्रतिनिधियों को बुलाकर जता दिया है कि 4 फरवरी से संस्थान में कर्मचारी शत प्रतिशत उपस्थिति के साथ आएंगे साथ ही उन्होंने अनिवार्य रूप से हाजिरी लगाने के लिए थंब इंप्रेशन मशीन का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। डीओपीटी के आदेश के उलट सीओडी प्रशासन के जारी निर्देश पर सभी यूनियन प्रतिनिधि हक्का बक्का रह गए। उन्होंने कमांडेंट से अपील की है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए डीओपीटी की गाइड लाइन के अनुसार कार्य कराया जाए। अब देखना है कि सी ओ डी प्रशासन डीओपीटी के आदेशों की अवहेलना करता है या उसके अनुरूप आदेश जारी कर संस्थान का संचालन करवाएगा।

घर से निकाली गईं दो नवविवाहिताओं से लोभी ससुराल वालों ने मांगे 2-2 लाख, एक से बेटा भी मांगा

जबलपुर, । दहेज में दो लाख रुपये की मांग कर रहे लोभियों ने नवविवाहिता को घर से निकाल दिया । शिकायत मिलने पर गोहलपुर पुलिस ने दहेज प्रताड़ना की एफआइआर दर्ज कर ली है । पुलिस ने बताया कि पनागर निवासी प्राची सेन का विवाह शांतिनगर गोहलपुर निवासी सचिन सेन से हुआ था ।विवाह के कुछ दिन बाद से पति सचिन, सास संगीता तथा ससुर अयोध्या प्रसाद प्राची से दहेज में दो लाख रुपये की मांग करने लगे ।

दहेज की रकम न मिलने पर तीनों उसके साथ मारपीट कर शारीरिक व मानसिक यातना देने लगे। दहेज की रकम न मिलने से नाराज लोभियों ने उसे ससुराल से भगा दिया। जिसके बाद उसे मजबूरी में अपने मायके में निवास करना पड़ रहा है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। इसी प्रकार, लोभी पति ने नवविवाहिता को चार साल की बेटी समेत घर से निकाल दिया।

सिहोरा पुलिस ने बताया कि संध्या चौधरी 26 वषज़ निवासी हृदयनगर गोसलपुर ने घटना की एफआइआर दजज़ कराई है। संध्या का विवाह अप्रैल 2015 में गंजताल निवासी संजू उर्फ संजय के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद तक सब कुछ ठीक रहा। परंतु बेटी के जन्म के बाद उसे ससुराल में शारीरिक व मानसिक यातना दी जाने लगी। पति संजू उससे दहेज में दो लाख रुपये की मांग करने लगा। बेटे न होने पर पति उसे ताना मारने लगा। वर्ष 2021 में संजू सुंदरपुर पिपरिया निवासी एक महिला को अपने साथ घर ले आया। तथा दोनों पति-पत्नी की तरह रहने लगे। बेटी के भविष्य की चिंता के कारण संध्या पति की प्रताड़ना बदाज़्श्त करती रही। इस बीच 16 जनवरी को सुबह करीब 10 बजे संजू ने संध्या के साथ मारपीट की। उसने बेटा न होने पर उसे ताना दिया। दो लाख रुपये की खातिर जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। मजबूरी में उसे बेटी समेत मायके में रहना पड़ रहा है। धारा 498 ए, 294, 323, 506 एवं 3, 4 दहेज अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज कर पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।

कार पलटने से पूर्व मंत्री घनघोरिया के बेटा-बेटी व ड्राइवर को हल्की चोटें

जबलपुर, । पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विधायक व पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया का बेटा व बेटी समेत तीन लोग सड़क हादसे में घायल हो गए। मुताबिक पूर्व मंत्री की बेटी ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण कर ली है। जिसके बाद स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए उसने भोपाल के एक कालेज में प्रवेश लिया है। कालेज की फीस जमा करने के बाद उनकी बेटी व बेटा फाचुज़्नर कार से जबलपुर लौट रहे थे। भोपाल-जबलपुर मार्ग पर रायसेन में उदयपुरा-देवरी के पास पांजरा गांव के समीप कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के दौरान कार के सभी एयरबैग खुल गए जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान पूर्व मंत्री के बेटा-बेटी व चालक को साधारण चोटें आईं। नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद वे दूसरे वाहन से जबलपुर के लिए रवाना हुए।

कार की टक्कर से बैंक कर्मी घायल

निजी बैंक में कायज़त आमानाला रांझी निवासी राहुल चौधरी को कार ने टक्कर मार दी। सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि राहुल बुधवार दोपहर अपनी मोपेड एमपी 20 एसएम 4560 से पेंटीनाका चौक जा रहा था। वह वेटरनरी कालेज के सामने पहुंचा था तभी कार एमपी 20 सीके 8676 के चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार लेकर फार हो गया। राहुल को गंभीर चोटें आई हैं। प्रकरण दजज़कर पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है।

हवाओं में घुली पश्चिमी गरमाहट

ठंड से मिली राहत

जबलपुर,यशभारत। उत्तरी हवाओं में घुली पश्चिमी गरमाहट से ठंड का असर कम हो गया है। जैसे-जैसे दिन चढ़ रहा ठंड का असर कम होता जा रहा है। लोग अब सूरज की गर्मी से पसीने से तरबतर भी होने लगे है। धूप की तेज तपन भी महसूस होने लगी है। तापमान भी लगातार बढ़ रहा है। अधिकतम तामपान जहाँ 28 डिग्री तक जा पहुंचा है वहीं न्यूनतम तापमान भी 13 डिग्री पर आ गया है। जिससे वातावरण में हल्की गर्मी महसूस की जाने लगी है। लोगों को कडाके की ठंड से मुक्ति मिल गई है।

फिर बदल सकता है मौसम

हालांकि मौसम एक बार फिर बदल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक हिमालयीन क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। वतज़्मान में पश्चिमी विक्षोभ ईरान के ऊपर बना हुआ है, जिसके प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान में प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हो रहा है। इसी तरह 6 फरवरी से अन्य पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना बनी हुई है। इसके असर से जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कही कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

हवाओ का रुख बदला

हवाओं का रुख उत्तरी से कभी दक्षिण-पश्चिमी तो कभी उत्तरी-पश्चिमी हो रहा है। धूप की चुभन बढ़ने लगी है। मौसम विभाग की माने तो तापमान दो से तीन डिग्री तक अभी और बढ़ सकता है। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव के बाद तापमान में दो से चार डिग्री गिर भी सकता है।

खमरिया और बरेला के जंगलों में पकडी गई शराब फैक्ट्री

2 सौ लीटर के 67 ड्रम सहित 4 सौ लीटर लाहन किया जब्त

जबलपुर,यशभारत। शहर में मादक पदाथोज़ के अवैध व्यापार पर लगाम लगाने के लिये पुलिस अधीक्षक सिद्धाथज़ बहुगुणा लगातार प्रयास कर रहे है, जिसमें उनके मार्गदर्शन में विभिन्न थानों को सफलता भी मिल रही है, इसी कडी में आज बरेला एवं खमरिया पुलिस की संयुक्त कायज़्वाही में थाना बरेला अंतगज़्त घुग्गू टोलाए खरहा घाटए जैतपुरी एवं थाना खमरिया अंतगज़्त पारस पानीए भोलक घाट के जंगलों में दबिशए कच्ची शराब उतारने हेतु 200 लीटर के 67 ड्रम में भराए13 हजार 400 लीटर लाहन जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर इन स्थानों पर अवैध शराब के व्यापार की खबरें लगातार सामने आ रही थी जिसमें एसपी सिद्धाथज़ बहुगुणा द्वारा एक संयुक्त टीम का गठन किया गया और सूचनाकताज़के बताई जगहों पर पुलिस ने दबिश जब दी तो देखते ही उनके होश उड गये यहां बडे पैमाने पर अवैध शराब का निमाज़ण किया जा रहा था। पुलिस को देखते ही यहां पर काम करने वाले लोगों में भगदड की स्थिति निमिज़त हो गयी। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों को हिरासत में ले लिया है। वहीं अवैध शराब के निमाज़ण में उपयोग किये जाने वाले कच्चे माल को भी जब्त कर कागजी कारज़्वाई शुरू कर दी है।

क्षेत्रवासियों ने की थी शिकायत बताया जाता है कि पुलिस के पास उक्त स्थानों पर लगाातार जहरीली शराब बनाये जाने की खबरें आ रही थी जिसमें क्षेत्रीयजनों ने पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचकर उक्त अवैध शराब के व्यापार को खत्म करने की गुहार भी लगाई थी जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा दो टीमों का गठन कर योजनाबद्व तरीके से इन स्थानों पर छापा मारा और रंगें हाथों शराब के अवैध व्यापार के कारोबार का भंडाफोड कर दिया।

भेड़ाघाट सहजपुर के बीच रेलवे की मॉकड्रिल

रेल ट्रैक पर टाटा मैजिक फसने से मचा हड़कंप, मेडिकल वैन हुई रवाना

जबलपुर यश भारत। जबलपुर मंडल के भेड़ाघाट एवं भिटोनी स्टेशन के मध्य रेलवे ट्रैक पर गेट नंबर 308 के नजदीक एक वाहन के दोपहर 11.40 बजे पलट जाने से दुर्घटना की खबर मिलने पर जबलपुर स्टेशन से 20 मिनट के अंदर मेडिकल वैन भेड़ाघाट स्टेशन के लिए अधिकारियों को तथा चिकित्सा दल को लेकर रवाना हुए।भेड़ाघाट स्टेशन पहुंचने पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अमितोज बल्लभ,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.आरएन मिश्रा वरिष्ठ मंडल अभियंता मनीष पटेल वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता संजय मनेरिया,मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवेश सोनी, सहायक परिचालन प्रबंधक केके पटेल सहित अनेक अधिकारियों को बताया गया कि रेलवे की त्वरित गति से कार्य प्रणाली को जांचने के लिए यह दुर्घटना रेलवे द्वारा पूर्व नियोजित एक मॉक ड्रिल है।

इस मॉडल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों की कार्यकुशलता तत्परता तथा दुर्घटना के प्रति संवेदनशीलता को जांचने के लिए आयोजित किया गया था आज दोपहर 11ः40 बजे रेलवे के सायरन बजते ही पूरे मंडल में यह खबर फैल गई कि भेड़ाघाट के पास एक वाहन की दुर्घटना हो गई है जिसमें अनेक लोग हताहत हुए हैं इस सूचना पर रेलवे ने त्वरित गति से अपनी मेडिकल वैन को दोपहर 12ः05 पर रवाना किया 12.20 बजे इस मेडिकल रिलीफ ट्रेन के भेड़ाघाट पहुंचने पर जैसे ही अधिकारी स्टेशन पर उतरे तब उन्हें मंडल के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि यह मोबाइल है।

रंजिश भुनाने युवक पर चाकू से हमला

घमापुर थाने में प्रकरण दर्ज, जांच शुरू

जबलपुर। घमापुर थाना अन्तर्गत बरौहा मोहल्ला में एक बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश चाकू लहराते हुए वहाँ से भाग निकला।घायल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफप्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बरु मोहल्ले में रहने वाले 32 वर्षीय संजय सोलंकी ने रिपोर्ट दर्ज कराई की बीती रात वह अपने घर के पास ही खड़ा था। उसी दौरान वहां विशेष रैकवार आया और पुरानी किसी बात को लेकर गाली गलौच करने लगा। संजय ने उसके इरादे भांप लिए और बिना कुछ कहे वहाँ से जाने लगा। लेकिन विशेष ने कॉलर पकड़कर उसे रोक लिया और जेब से चाकू निकालकर संजय पर हमला कर दिया। जिससे संजय के हाथ पैर पीठ में चोटें आई है। घायल को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है तो वही पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

वाहन चोरी की फिराक में धरा गया चोर

विजय नगर पुलिस ने जब्त किये सात चोरी की गाडियां, विभिन्न थानाक्षेत्रों में देता था वारदात को अंजाम

जबलपुर,यशभारत। शहर में लगातार वाहन चोरी की वारदातों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक सिद्धाथज़ बहुगुणा के निदेज़्श पर अब वाहन चोरों पर पैनी नजरें रखी जा रही है। इसी के चलते कल अंहिसा चौक में वाहन चोरी के फ्रिाक में घूम रहे आरोपी को विजय नगर पुलिस ने आज दबोच लिया आरोपी से जब पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम कंटगी निवासी मुन्नालाल बमज़्न बताया जिसने पूछताछ में शहर के ग्वारीघाट, कंटगी और पाटन से वाहन चोरी के मामले में सजा काट चुका है इसके साथ ही उसने बताया कि वह भेडाघाट में मुख्यत वाहन चुराने का काम करता था इसके साथ ही जबलपुर के विभिन्न थानाक्षेत्रों से वाहनों को चुराया करता था, आरोपी के कब्जे से सात चोरी के वाहन जब्त किये गये है। वही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आज न्यायालय पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नाम सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ऋषित रौनक पिता निशिकांत सिंह फ्लैट नंबर बी-405 कचनार शिव दर्शन कचनार सिटी विजय नगर जबलपुर का निवासी हूँ मेरी दसवीं की अंक सूची में मेरा पिता का नाम सिर्फ निशिकांत दर्ज है जो कि गलत और अधूरा हैं। मेरे और मेरे पिता के समस्त दस्तावेजों में पिता का नाम निशिकांत सिंह दर्ज है जो पूर्णतः सही और पूरा नाम है।
सही नाम-निशिकांत सिंह
गलत नाम-निशिकांत

संपादकीय

पहल से किसान व सेहत का भला

यूं तो केंद्र सरकार के आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में किसानों के लिये कई बड़ी घोषणाएं की गयी हैं जिनमें एमएसपी के लिये एकमुश्त रकम तय करने, 1208 मीट्रिक टन गेहूं-धान खरीदने, प्राकृतिक खेती विकसित करने के लिये राज्यों व एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने, ड्रोन का उपयोग बढ़ाने, केन-बेतवा लिंक योजना से सिंचाई का दायरा बढ़ाने, रेलवे की मदद से लॉजिस्टिक विकसित करने जैसी घोषणाएं शामिल हैं। लेकिन एक घोषणा ने देश का ध्यान खींचा, वह है इस साल को मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जाना। दरअसल, सदियों से भारत में मोटे अनाज का उत्पादन होता रहा है। इसकी वजह यह कि इसकी उत्पादन लागत कम होती है। अधिक तापमान में खेती संभव है। इसमें सिंचाई के लिए पानी की कम खपत होती है। साथ ही कम उपजाऊ भूमि में इसका उत्पादन हो सकता है। इसके अलावा कीटनाशकों की कम जरूरत होती है और किसान रासायनिक खादों से परहेज करते हुए कंपोस्ट खाद से भी इसका उत्पादन कर सकते हैं। दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में इस दिशा में पहल की थी जिसके उपरांत मोटे अनाज का उत्पादन जो वर्ष 2017-18 में 164 लाख टन था, वह वर्ष 2020-21 जून-जुलाई में बढ़कर 176 लाख टन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस मुद्दे पर विशेष ध्यान रहा और उन्होंने वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किये। यह भारत के प्रयासों की बड़ी कामयाबी है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए वर्ष 2023 को मोटे अनाज का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। दरअसल,मोटे अनाज में बाजरा, ज्वार, जौ, कोदो आदि फसलें आती हैं। इस प्रस्ताव को दुनिया के 70 देशों का समर्थन मिला है। निस्संदेह यह इन फसलों के पारिस्थितिकीय लाभ को प्रोत्साहित करने की ओर सार्थक कदम है। इस पहल से न केवल खाद्य सुरक्षा व किसानों के कल्याण को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि यह कृषि वैज्ञानिकों और स्टार्ट-अप समूहों के लिये शोध व नवोन्मेष के रास्ते खोलता है। निस्संदेह, वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय किसानों के लिये नये अवसर विकसित होते हैं। देश के संदर्भ में यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इनकी पौष्टिकता की संभावनाओं से लोगों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होती है। जाहिरा तौर पर परंपरागत फसलों से अधिक कीमत होने के कारण बाजार में ज्वार-बाजरा जैसे मोटे अनाज की मांग बढ़ेगी। इन फसलों के उत्पादन में पानी, रासायनिक खाद व कीटनाशकों की खपत कम होने से किसान की लागत घटेगी। कम उपजाऊ मिट्टी में इन फसलों की खेती की जा सकती है। इतना ही नहीं, ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते मौजूदा फसलों पर जो खतरा मंडरा रहा है, उसे भी कम किया जा सकेगा। बशर्ते अनाज विपणन, भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला की विसंगितियों को दूर किया जाए। देश के कृषि व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। दरअसल, हरित क्रांति के बाद खेती-किसानी के तौर-तरीके बदले और कृषि गेहूं-धान पर केंद्रित हो गई। इसका एक कारण इन फसलों को मिलने वाले न्यूनतम समर्थन का भरोसा भी रहा। देश में संपन्नता आने से लोगों की खानपान की आदतों में भी बदलाव आया जिससे परंपरागत फसलें हाशिये पर चली गई। दरअसल, आज देश में लोगों को मोटे अनाज से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जागरूक करने की जरूरत भी है। देश के संभ्रांत वर्ग व विदेशों में मोटे अनाज को 'स्मार्ट फूड' के तौर पर देखा जा रहा है। ये किसान व खाने वाले की सेहत के लिये फायदेमंद हैं। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इनमें पौष्टिक तत्व अधिक होते हैं। अध्ययनों के मुताबिक, कोदो व बाजरा मधुमेह को नियंत्रित करने में मददगार होते हैं और कोलेस्ट्रॉल स्तर सुधारते हैं। इनमें कैल्शियम, जिंक व आयरन की प्रचुर मात्रा होती है। महत्वपूर्ण यह कि ये ग्लूटेन-फ्री होते हैं। भारत जैसे देश में जहां आठ करोड़ डायबिटीज के मरीज हों, 1.7 करोड़ लोग हृदय रोग के कारण दम तोड़ देते हों और करोड़ों बच्चे कुपोषण के शिकार हों, वहां खानपान की आदतों में बदलाव जरूरी हो जाता है। ऐसे में मिलेट रेवोल्यूशन एक कारगर औषधि साबित हो सकती है।

48 हजार करोड खर्च कर 80 लाख इको फ्रेंडली घर बनें तो कैसा रहे

अगर किसी शख्स या परिवार की माली हालत बहुत ठोस नहीं हैए तो इसका यह मतलब तो कतई नहीं है कि उसका अपनी छत का सपना नहीं होता। हरेक इंसान की चाहत होती है कि उसे अपनी जिंदगी रहते ही अपने घर में रहने का सुख मिल जाए। इस सोच को साकार करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2022.23 के केन्द्रीय बजट में 48 हजार करोड़ रुपए का एक भारी भरकम प्रस्ताव रखा है। इस रकम से देश में 80 लाख घर बनाने का संकल्प लिया गया है। यह वास्तव में बहुत सकारात्मक और गरीब कल्याणकारी फैसला है। इस कदम से सरकार की मंशा भी जाहिर हो जाती है कि वह उन लोगों के बारे में गंभीरता से विचार करती हैं जिनकी आय सीमित है और जो अपना कमान बनाने में सक्षम नहीं हैं । उम्मीद की जानी चाहिए कि चालू वित्तीय साल के दौरान 80 लाख घर बनने से कम से कम तीनदृचार करोड़ लोग अपने घरों में शिफ्ट भी कर लेंगे। एक परिवार में पांच.छह सदस्य तो होते ही हैं। किराए के घर् से अपने घर में शिफ्ट करने का सुख उससे पूछिए जो कभी किराए के घर में रहा हो और उसने अपने मकान मालिक के लगातार ताने भी सुने हों।

दरअसल बजट में 48 हजार करोड़ रुपए की राशि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए रखी गई है। इसके तहत ही 80 लाख किफायती घर बनाए जाएंगे। गरीबों को मकान देने की योजना के तहत सरकार ने आवास योजना को विस्तार देने का फैसला किया है। सरकार ने किफायती आवास योजना के लिए राज्य सरकारों के साथ काम करने का फैसला किया हैए ताकि इस योजना के लिए भूमि अधिग्रहण और निर्माण संबंधी मंजूरी मिलने के लिए लगने वाले समय को कम किया जा सके। मध्यस्थता लागत में कमी लाने और आसानी से पूंजी जुटाने के लिए सरकार ने वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के साथ काम करने का फैसला किया है।

देखिए हमारे यहां सरकारें तो धन की व्यवस्था कर देती हैं किसी बड़ी परियोजना के लिए। पर देखने में आता है कि उस धन का एक बड़ा हिस्सा कुछ भ्रष्ट लोग चट कर जाते हैं। इसलिए योजना का लाभ उस व्यक्ति को कई बार नहीं मिल पाता जिसे मिलना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। केन्द्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों को सुनिशिचत करना होगा कि 48 हजार करोड़ रुपए से स्तरीय घरों का निर्माण हो जाए। जाहिर हैए इतने अधिक घरों के निर्माण के लिए भूमि की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए जरूरी है कि घरों का निर्माण करने के लिए जमीनें वहां पर अधिग्रहीत की जाएं जो किसी शहर से बहुत दूर नहीं हैं जहाँ गरीबों के रोजगार के साधन हैं । फिर वहां पर घरों का निर्माण करने के दौरान ही सुगम सार्वजनिक यातायात की व्यवस्था भी करनी होगी जिससे कि जो लोग घर खरीदें उन्हें अपने दफ्तरए फैक्ट्री या दुकान तक आने.जाने में किसी तरह की कोई दिक्कत ना हो। इसके अलावाएवहां पर स्कूलएअस्पतालए बाजार आदि की भी बढ़िया व्यवस्था करनी होगी। जिन घरों का निर्माण ग्रामीण इलाकों में होना हैए वहां पर भी स्तरीय घर बनने चाहिए।

दरअसल किसी परियोजना पर काम करते वक्त इन सभी पहलुओं को बारीकी से देखना होगा। कोई भी काम गंभीरता से किया जाना चाहिए। तब ही उसका उचित लाभ होगा। हांए यह तो सरकार को देखना होगा कि जो बिल्डर सस्ते घर बनाने के लिए आगे आएं उन्हें टैक्स में भरपूर छूट मिले। केरलए हिमाचल प्रदेश और गोवा में ईको फ्रेंडली घरों का खूब निर्माण हो रहा है। ये सामान्य घरों की तुलना में तकरीबन आधी कीमत पर ही बन जाते हैं। इन घरों को मॉडल के तौर पर पेश किया जा सकता है। इसलिए उन आर्किटेक्ट की भी तलाश की जाए जो सस्ते और सुंदर घर बनाने के डिजाइन बनाने में अपने को सिद्ध कर चुके हैं। बहुत से आर्किटेक्ट कहते हैं कि इको फ्रेंडली मैटेरियल इस्तेमाल करने से घर सस्ते बन सकते हैं और उनमें मेंटेनेंस की जरूरत भी कम प?ेगी। उपर्युक्त सभी राज्यों में इको.फ्रेंडली होम मैटेरियल से खूब घर बन रहे हैं। तो हमारे यहां पूरे देशभर में सस्ते इको फ्रेंडली घरों को बनाने के बारे में सोचना होगा। गोल्फकोर्स फेसिंग या रीवर फेसिंग घरों के मोह को त्याग कर सस्ते सुंदर घरों को बनाने के बारे में सोचना होगा। हमारे यहां आर्किटेक्ट बिरादरी को भी रचनात्मक रवैया अपनाना होगा जिससे कि हम परंपरागत घरों के निर्माण से आगे के बारे में भी सोचें। भारत में सैक?ों आर्किटेक्चर की डिग्री देने वाले कॉलेज खुल चुके हैं। इनसे हर साल हजारों नए आर्किटेक्ट हर साल पास आउट करते हैं। पर क्या कोई कॉलेज इको.फ्रेंडली घर बनाने की भी पढ़ाई करवा रहा हैघ् लगता तो नहीं है। अगर इस बार प्रस्तावित 80 लाख घरों का निर्माण नई तकनीक से हो जाए तो ये देश के लिए एक नजीर बन जाएगी। समझ नहीं आता कि हमारे सारे समाज में तड़क. भड़क वाले घर बनाने की होड़ क्यों मची हुई है। बड़े घर तो बन रहे हैं पर उनमें कुछ किताबों के लिए स्पेस तक नहीं होता।

बहरहालए सरकार को आगामी सालों में भी सस्ते घरों के निर्माण पर अपना फोकस बनाए रखना ही होगा। देखिए देश में करोड़पतियों और मोटा कमाने वालों की तादाद बढ़ती ही चली जा रही है। ये सिलसिला आगे भी जारी ही रहने वाला है। समाज का यह तबका तो कहीं भी अपने मन का घर ले सकता है। उसके पास पैसा जो है। लेकिनए सरकारों को उन का भी ख्याल रखना होगा जिनकी कमाई सीमित है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कोरोनाकाल के कारण अधितकर लोगों की आय कम हुई है। इसलिए इस वर्ग पर सरकार को तो विशेष ध्यान देना ही होगा। इस बीचए सरकार को अपने स्मार्ट सिटीज के प्रोजेक्ट को लेकर भी नए उत्साह और उर्जा के साथ जनता के सामने आना होगा।

आरके सिन्हा

संदर्भ: पेगासस जासूसी कांड.

सुपारी मीडिया की देन है पेगासस जासूसी मामला

एक बार फिर पेगासस जासूसी मामले को अमेरिका के प्रमुख अखबार ष्द न्यूयॉर्क टाइम्सष् पर नए खुलासों के साथ देष की राजनीति ऐन उस वक्त गरमा गई हैए जब संसद सत्र की षुरूआत हो रही है। अखबार ने अपनी अनुसंधान रिपोर्ट के आधार पर दावा किया है कि 2017 में इजराइल से लगभग 15ए000 करो? रुपए के रक्षा सौदे हुए थेए इन्हीं में जासूसी सॉफ्टवेयर खरीदा गया था। हालांकि इस सौदे में ब?ी संख्या में मिसाइलें खरींदी गई थीं। आरोप है कि भारत में लगभग 40 पत्रकारए विपक्ष के कई प्रमुख नेताए कुछ केंद्रीय मंत्रीए सुरक्षा एजेंसियों के पूर्व एवं वर्तमान प्रमुख और कुछ ब? उद्योगपतियों सहित 300 अन्य भारतीयों के फोन हैक किए गए थेए जिससे उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। हालांकि अखबार ने जो जानकारी दी हैए उसमें ऐसा कुछ विषेश नहीं हैए जो पहले से ही देष की जनता नहीं जानती हो। षायद इसीलिए केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने इस कथित रहस्योद्घाटन को ष्सुपारी मीडियाष् कहा है। यह खुलासा संदिग्ध और पूर्व नियोजित इसलिए भी लगता हैए क्योंकि यह तब किया गया हैए जब उत्तर.प्रदेष समेत देष के पांच प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और बजट सत्र षुरू हो गया है। उत्तर.प्रदेष देष का 23 करो? की विषाल आबादी वाला राज्य है और प्रधानमंत्री बनने का रास्ता इसी प्रांत से होकर गुजरता है। नरेंद्र मोदी स्वयं इसी राज्य की लोकसभा सीट बनारस से सांसद हैं। इसलिए इस खुलासे को चुनाव को प्रभावित करने की साजिष का हिस्सा भी माना जा रहा है। पिछले साल भी इस मामले को उछाला गया था। तभी से सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई समीति इस मामले की प?ताल कर रही हैए जिसकी रिपोर्ट आना बाकी है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में जो खुलासे किए हैंए उनमें प्रथम दृश्टि से ऐसा कुछ दिखाई नहीं देता हैए जिसे तथ्यात्मक गोपनीय खुलासा कहा जाए। रिपोर्ट में कहा है कि 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के बनने के बाद से ही विदेष नीति में नीतिगत बदलाव करते हुए इजरायल के साथ भारत के संबंधों में उत्तरोत्तर सुधार होने लग गया। इसी क्रम में जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी इजरायल की यात्रा पर जाने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए। इसी यात्रा के दौरान 15ए000 करो? के रक्षा सौदे इजरायल के साथ हुएए जिनके अंतर्गत मिसाइल के साथ पेगासस स्पाईवेयर सॉफ्टवेयर भी खरीदा गया। हालांकि अखबार ने पेगासस खरीद का कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। पेगासस की खरीद को इसलिए जो?ा गयाए जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की छवि धूमिल की जा सके। इसीलिए इस खरीद को काल्पनिक अथवा सुपारी मीडिया कहा जा रहा है। अखबार ने कहा है कि जनवरी 2018 में इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू पहली बार भारत यात्रा पर आए। इस कारण दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच दोस्ताना गहरा हुआ और 2019 में भारत ने राश्ट्रसंघ की सुरक्षा परिशद् में फिलीस्तीनी मानवाधिकारों की समीति के इजरायल दौरे के विरोध में इजरायल का पक्ष लेते हुए समर्थन किया। इस समर्थन को पेगासस खरीद का अहम् कारण बताया जा रहा है। गौरतलब है कि इजरायल के पक्ष में समर्थन खुले रूप में था तो फिर यह किसी अनजाने रहस्य का खुलासा कैसे हुआ घ् दरअसल जब किसी देष की विदेष नीति में परिवर्तन होता है तो दोनों देषों को परस्पर हित साधने के ही समझौते होते हैंए न कि हितों पर कुठाराघात करने के घ्

यदि यह सॉफ्टवेयर वास्तव में भारत सरकार ने अपने ही देष के प्रमुख नागरिकों एवं महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की निगरानी के लिए खरीदा भी है और इससे 2017 से जासूसी कर भी रहा है तो क्या कारण है कि आज तक किसी महत्वपूर्ण नागरिक ने ऐसा दस्तावेजी साक्ष्य क्यों नहीं पेष किया कि मेरी फलां व्यक्ति से की गई यह बातचीत हैक हुई और इससे मेरी यह निजता भंग होकर सार्वजनिक हुई। जो राहुल गांधी बिना सरकारी सुरक्षा के गोपनीय दौरे पर विदेष चले जाते हैं। क्या कभी उनकी इन यात्राओं का खुलासा हो पाया घ् जबकि राहुल गांधी इस अखबारी खुलासे के बूते मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कह रहे हैं कि ष्सरकार ने भारतीय लोकतंत्र की प्राथमिक संस्थाओंए राजनेताओं और अन्य नागरिकों की जासूसी के लिए यह सॉफ्टवेयर खरीदा और फोन टैप करके सत्ता पक्षए विपक्षए सेनाधिकारी और न्यायाधीषों को निषाने पर लिया। अतएव यह हरकत देषद्रोह है।ष्

निष्चित रूप से संचार तकनीक ने यह सुविधा दी हुई है कि डिजीटल सॉफ्टवेयर पेगासस जैसे अन्य संसाधनों के जरिए दुनिया की सरकारें अपने नागरिकोंए विरोधियों या अन्य संदिग्धों की जासूसी करवाती हैं। दरअसल ये तकनीकें इतनी सक्षम है कि उपभोक्ता के मोबाइल फोन से संपर्क किए बिना ही उसका फोन सक्रिय हो जाता है और उसको आसानी से लक्षित किया जा सकता है। फोन का वार्तालाबए ई.मेलए चित्रए पाठए संपर्क और उपभोक्ता की मौजूदगी कहा है यह जान लिया जाता है। उपभोक्ता के कैमरे को भी नियंत्रित करके हैक कर लिया जाता है। पेगासस का स्पाईवेयर सॉफ्टवेयर हैकिंग के इस कार्य में अत्यंत निपुण एवं आधुनिक माना जाता है। यह एप्पल और गूगल की इजाजत के बिना ही उनके फोन का डेटा हैक कर सकता है। लिहाजा वह चाहता है कि दुनिया के देष उसके सॉफ्टवेयर का खरीदकर उपयोग करे। लेकिन अमेरिका और रूस ऐसे देष हैंए जो दूसरे देषों की जानकारियां हासिल करके उन्हें अपने नियंत्रण में हमेषा के लिए बनाए रखना चाहते हैं। इसलिए विकासषील देष इन देषों से पेगासस जैसे जासूसी के उपकरण खरीदना पसंद नहीं करते। हालांकि इजरायल ने अपने षत्रु देष यूएई और मोरक्को तक को यह सॉफ्टवेयर बेचा है। करीब 40 देष इसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल देष की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए करते है।

वैसे इस सॉफ्टवेयर की निर्माता कंपनी एनएसओ ने दावा किया है कि इसे वह अपराध और आतंकवाद से ल?ने के लिए केवल सरकारों को ही बेचती है। पूर्व आईटी मंत्री रविषंकर प्रसाद ने बीते वर्श जब यह मुद्दा संसद में उछला थाए तब एनएसओ का पत्र लहराते हुए कहा था कि ष्सरकार ने ऐसा कोई अनाधिकृत काम नहीं किया हैए जो निंदनीय हो अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करता हो। इसीलिए इस रहस्य का खुलासा करने वाली फ्रांस की कंपनी फारबिडन स्टोरीज और एमनेस्टी इंटरनेषनल ने ऐसे कोई तथ्य नहीं दिए हैंए जो फोन पर की बातचीत को प्रमाणित करते हों घ्ष् गोया बिना साक्ष्यों के कथित खुलासा व्यर्थ है और हंगामा भी संसद में कीमती समय की बर्बादी है। अतएव सत्ताधारी दल पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की हत्या जैसे आरोप वेबुनियाद हैं।

वैसे पेगासस या इस जैसे सॉफ्टवेयर पहली बार चर्चा में नहीं हैं। देष के रक्षा संस्थानों की हनीट्रेप के जरिए जासूसी करने के भी अनेक मामले ऐसे ही सॉफ्टवेयरों से अंजाम तक पहुंचाए गए हैं। ये नियम इसलिए बनाए गए हैंए जिससे व्यक्ति की निजता का हनन न हो। ऐसे मामले सामने आने पर सरकार भीए निजता गोपनीय बनी रहेए इस सुरक्षा के प्रतिए प्रतिबद्धता जताती रही है। वैसे सरकारों द्वारा अपने विरोधियों के टेप करने के मामले जब तक सामने आते ही रहते हैं। जो कांग्रेस पेगासस जासूसी कांड पर हंगामा बरपाए हुए हैए उसी कांग्रेस ने 2011 में डॉ मनमोहन सिंह सरकार में तत्कालीन दूरसंचार मंत्री ए राजा और रानीतिक लॉबिस्ट नीरा रा?िया की बातचीत का टेप लीक हुआ था। कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर यह ब?ा संकट था। अरुण जेटली ने तो प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्तीफा तक मांग लिया था। बाद में सूचना के अधिकार के अंतर्गत चाही गई जानकारी से खुलासा हुआ कि यूपीए सरकार रोजाना 300 फोन एवं 20 ईमेल टेप करा रही थी। हालांकि भारत में 10 ऐसी सरकारी गुप्तचर जांच एजेंसियां हैं। जो आधिकारिक रूप से संदिग्ध व्यक्ति अथवा संस्था की जांच कर सकती हैं। हालांकि भारत में संचार उपकरण से जु?ाए पहला ब?ा मामला राश्ट्रपति ज्ञानी जैल की जासूसी से जु?ा है। इस फोन टैपिंग के समय राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। इस मामले में राश्ट्रपति के पत्रों की जांच करने का आरोप राजीव गांधी सरकार पर लगा था। इसी तरह पूर्व वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी के सरकारी दफ्तर में भी जासूसी यंत्र ष्बगष् मिलने की घटना सामने आई थी। इस समय डॉण् मनमोहन सिंह ही प्रधानमंत्री थे। यानी जिस प्रधानमंत्री को कठपुतली प्रधानमंत्री माना जाता थाए उन्हीं के कार्यकाल में सबसे ज्यादा जसूसी के गोपनीय मामले सामने आए थे। इन रहस्यों के उजागर होने से इलेक्ट्रोनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग को लेकर लोगों के मन में संदेह स्वाभाविक है।

प्रमोद भार्गव

आपका राशिफल 04 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

फिल्म वर्ग पहेली- 5726

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारी लाडो' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शबिर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाखा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5725 (हल)

Jagrutidaur.com, Bangalore

धर्म

हाथों की ऐसी लकीरों में छिपे होते हैं धनवान बनने के योग

हर इंसान जिंदगी को सुख और समृद्धि के साथ गुजारना चाहता है। स्वस्थ शरीर और समृद्ध जीवन की चाहत हर शख्स की होती है। इसी को लेकर वह जिंदगी की जद्दोजहद में लगा रहता है और हरसंभव तरीके से आरामदायक, सहज और सुलभ जिंदगी के सपने बुनता रहता है।

हमारे धर्मशास्त्रों में जीवन के दुखों से निजात पाने का वर्णन किया गया है तो सुखी जीवन के सूत्र भी माला की तरह पिरो कर धार्मिक किताबों के जरिए आम जीवन के लिए सुलभ कराए गए हैं। मान्यता है कि जब इंसान का जन्म होता है उसी दिन उसका भाग्य निर्धारित हो जाता है और इंसान का जीवन दुख और दुख के साथ उन्ही भाग्य के लेखे के हिसाब से चलता रहता है।

लकीरों से होता है तकदीर का फैसला –

इंसान के जीवन को चलाने के लिए धन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। कोई धन के मामले में संतुष्ट रहता है तो किसी की चाहत कभी पूरी नहीं होती है । कुछ लोग अपने जन्म के साथ कुछ ऐसे योग लेकर आते हैं कि जीवन में उनको कभी धन की कोई कमी महसूस नहीं होती है। अब हम बात करते है कुछ ऐसे खास योगों की जिनमें धनवान बनने के लक्षण होते है। हस्तरेखा ज्योतिष में हाथों की लकीरों और हाथों की बनावट से भाग्य को देखा जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के हाथ नरम होने के साथ-साथ भारी और चौड़े हो तो उस व्यक्ति को जीवन में कभी धन की कमी महसूस नहीं होती है। इसके साथ ही यदि भाग्य रेखा अधिक हो, जीवन रेखा घुमावदार हो और साथ में शनि भी उत्तम हो तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में भी धन की कोई कमी नहीं होती है। जिन लोगों के दाएं हाथ में बुध से निकलने वाली रेखा चंद्र के पर्वत से मिलती हुई दिखाई देती हो और जिनकी जीवनरेखा भी चंद्र पर्वत पर जाकर रुक जाती हो, ऐसे जातकों का भाग्य अचानक मोड़ ले लेता है और उन्हें धन प्राप्त होता है। लेकिन, यदि जीवन रेखा के साथ-साथ मंगल रेखा अंत तक दिखाई दे तो पैतृक संपत्ति से धन-संपत्ति प्राप्ति के योग बनते हैं।

सूडोकु नवताल- 6230

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6229 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

विचार प्रवाह

एक व्यक्ति ने सोचा कि समुद्र में स्नान कर लूं तो सभी तीर्थों के स्नान का फल मिल जाएगा क्योंकि समुद्र में गंगा जमुना सब हैं। समुद्र के किनारे गया और बैठ गया। सुबह से शाम होने को आयी लेकिन वह अब भी बैठा है। किसी यात्री ने पूछा नहाने आये हो तो नहाते क्यों नहीं? वह बोला- मैं सोचता हूं कि लहरें उठना बंद हो जायें तो फिर नहाऊं। यात्री बोला समुद्र कभी शांत नहीं होगा। समुद्र में नहाना है तो लहरों का त्रास तो सहना ही पड़ेगा। जीवन में कठिनाइयां तो बनी ही रहेंगी। धर्म ध्यान करने के लिए उस दिन का इंतजार मत करो, जब सब कुछ ठीक ठाक चल रहा होगा, क्योंकि ऐसा दिन कभी आने वाला नहीं है।

■■ मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7289

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू,सुगंध-3
7. सौ,सैकड़ा,शतक-2
8. दुलारा,लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम,मूल्य,दर-3
15. अग्नि,आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत,अप्सरा-2
22. दाम,कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता,कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना,मान मनुहार करना-3
7. वहम,संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रेजी-2)
11. मैला,दागदार-3
13. धोखेबाज,कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त,खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -7288 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

ट्रैफिक मास्टर प्लान के लिए दिल्ली टीम करेगी सर्वे

रिपोर्ट के आधार पर केबल कार संचालन होगा तय

इंदौर। जिन शहरों के लिए 2017 के बाद केंद्र सरकार ने मेट्रो प्रोजेक्ट स्वीकृत किए है। उनके लिए उस शहर की कॉम्प्रहेंसिव ट्रैफिक मोबिलिटी प्लान (व्यापक यातायात गतिशील योजना) भी अनिवार्य कर दिया है। शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट के साथ अब इस प्लान के लिए सर्वे भी शुरू होगा। अगले दो माह तक चलने वाले इस सर्वे के आधार पर अगले 25 वर्षों के लिए शहर के ट्रैफिक का मास्टर प्लान तैयार होगा। प्लान के तहत भविष्य में शहर में बढ़ने वाले ट्रैफिक के दबाव का आंकलन, सड़कों के चौड़ीकरण, नई मार्ग सहित अन्य बिंदुओं पर सर्वे होगा। इसके लिए बुधवार को एक बैठक भी हो गई। दो दिन बाद अर्बन मास ट्रांसपोर्ट कंपनी का दिल्ली से आया दल सर्वे शुरू करेगा। बैठक में नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, पीडब्लूडी सहित अन्य विभागों के अफसरों के साथ ट्रांसपोर्ट कंपनी के अफसरों ने चर्चा की और पूर्व में हो चुके ट्रैफिक सर्वे, सड़कों के नक्शे व अन्य दस्तावेज दल ने मांगे हैं।

सर्वे से तय होगा लोक परिवहन माडल

केंद्र सरकार ने इस प्लान को इसलिए अनिवार्य किया है, ताकि जब भविष्य में मेट्रो का संचालन हो तो मेट्रो के लायक उस रूट पर पर्याप्त यात्री रहेंगे या नहीं, इसका आंकलन अभी से हो सके। लोड का सर्वे होगा। इसके लिए शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों को चुना गया है।दो माह तक अलग-अलग मार्गों पर ट्रैफिक सर्वे में खासकर बीआरटीएस और राजीव गांधी चौराहा से महू तक के ट्रैफिक का भी विश्लेषण होगा, क्योंकि भविष्य में इस रूट पर भी मेट्रो का संचालन होना है। सांसद शंकर लालवानी के अनुसार अगले 25 सालों में शहर के यातायात की क्या जरुरतें होगी, इसका बेस प्लान तैयार होगा। भविष्य में इस प्लान को अपडेट किया जाएगा।

मिक्स ट्रैफिक

- सघन क्षेत्रों में केबल कार, लाइट मेट्रो के स्वरुप को भी इस सर्वे के आधार पर तय किया जाएगा। बीआरटीएस रुट पर त्रिस्तरीय मार्ग की कार्ययोजना बनाई गई है, जिसमें सड़क पर मिक्स ट्रैफिक, पहली मंजिल पर सिटी बस और दूसरी मंजिल पर मेट्रो का ट्रैक बनना है, लेकिन लोक परिवहन के दोनो विकल्प यहां व्यवहारिक रहेंगे या नहीं, यह दो माह बाद तैयार होने वाली रिपोर्ट पर निर्भर रहेगी। इस सर्वे के बाद तैयार रिपोर्ट डेढ़ वर्ष में तैयार होने वाले मास्टर प्लान के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

यह है शहर के ट्रैफिक की चुनौतियां

शहर में 17 लाख से ज्यादा वाहन आरटीओ में पंजीबद्ध है, लेकिन वाहनों की पार्किंग के लिए प्रमुख मार्गों पर इंतजाम नहीं है। भवनों में पार्किंग के तय जगह पर दूसरा भूपयोग हो रहा है। यातायात नियमों के प्रति शहरवासियों में जागरुकता की कमी। हेलमेट अनिवार्य है, लेकिन ज्यादतर वाहन चालक नहीं पहनते।प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक इंजीनियर का अभाव है। इस कारण वहां हादसे होते हैं।वाहनों की गति पर नियंत्रण नहीं। उपनगरीय बसें यात्रियों को पहले बैठाने के चक्कर में मार्गों पर रेस लगाती है।

फायर फाइटर वाहन खरीदने के लिए नौ नगरीय निकायों को 1.60 करोड़ आवंटित

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अनुसार प्रत्येक परिषद को 18 लाख 75 हजार रुपये मिले

भोपाल। फायर फाइटर वाहन खरीदने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नौ निकायों को एक करोड़ 60 लाख रुपये आवंटित किए हैं। एक वाहन के लिए 25 लाख रुपये दिए गए हैं, जिसमें 75 प्रतिशत राज्यांश है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास निकुंज श्रीवास्तव ने बताया कि शहडोल जिले की नगर परिषद ब्यौहारी, बुढ़ार, बड़वानी की शाहपुर, रायसेन की उदयपुरा, रीवा की गुढ़ एवं गोविंदगढ़ और उमरिया जिले की चंदिया नगर परिषद को राशि दी गई है। प्रत्येक परिषद को 18 लाख 75 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। नगर परिषद जयसिंह नगर को पहली किस्त के रूप में 12 लाख 83 हजार 520 रुपये और नगर परिषद पाली जिला उमरिया को द्वितीय किस्त के रूप में 15 लाख 91 हजार 480 रुपये आवंटित किए गए हैं।

नगर पालिका नरसिंहपुर के सहायक यंत्री अभिषेक शिवहरे निलंबित

समयसीमा में काम नहीं करने पर आयुक्त नगरीय प्रशासन ने नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर के सहायक यंत्री अभिषेक शिवहरे को निलंबित कर दिया है। शिवहरे पर बिना स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहने का भी आरोप है। निलंबन अवधि? में शिवहरे का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय जबलपुर रहेगा।

मानव संग्रहालय में पूथकुली का प्रदर्शन

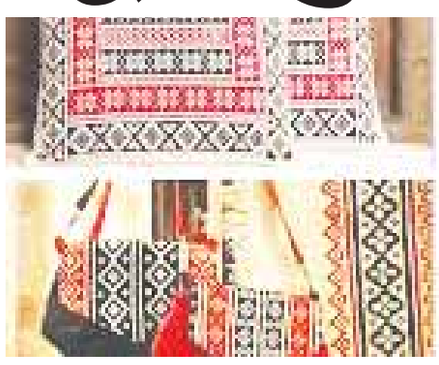

शाल पर उकेरे जाते हैं सूर्य और चंद्रमा

पूथकुली केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि जीवन के सामाजिक पक्षों से इसका गहरा संबंध है और नातेदारी, विवाह और उन विभिन्ना कारकों की तरफ ध्यान आकर्षित करता है, जिन पर सामाजिक संगठन आधारित है। यह कढ़ाई परंपरा अपने प्रलेखित इतिहास की एक सदी से चलन में है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हुए उनकी संस्कृति और आर्थिक जीवन में कई रूपों में प्रकट होती है। पारंपरिक कढ़ाई प्रकृति, दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों और पौराणिक कहानियों से प्रेरित है और उस विशेष क्षेत्र की वनस्पतियों और जीवों के रंगों को दर्शाती है। ज्यादातर रूपांकन स्थानीय परिवेश से प्रेरित है। भैंस का सींग महत्वपूर्ण मूल भाव है, क्योंकि यह जनजाति भैंस की पूजा करती है। सूर्य, चंद्रमा, तारे, फूल, सांप और खरगोश शाल पर विस्तृत रूप से उकेरे जाने वाले अन्य महत्वपूर्ण रूपांकन हैं।

दक्षिण भारत के एक प्रमुख जनजातीय समुदाय से है इसका नाता

भोपाल । राजधानी में स्थित इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग भवन वीथि संकुल में माह का प्रादर्श श्रृंखला के अंतर्गत फरवरी के प्रादर्श के रूप में टोडा जनजाति की पारंपरिक शाल पूथकुली का उद्घाटन संग्रहालय के निदेशक डा. पीके मिश्र द्वारा किया गया। नीलगिरि, तमिलनाडु के टोडा समुदाय से पूथकुली का संकलन एवं संयोजन सहायक कीपर डा. पी शंकर राय द्वारा किया गया है। डा. राय ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टोडा एक पशुपालक जनजातीय समुदाय है, जो मुख्य रूप से तमिलनाडु में नीलगिरि की पहाड़ियों के पश्चिमी पठार पर निवास करता है। उनके पारंपरिक कढ़ाई के काम को स्थानीय रूप से पुगुर अर्थात फूल के नाम से जाना जाता है और कढ़ाई से सजी शाल को पूथकुली कहा जाता है। निस्संदेह यह उनकी पोशाक का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक भाग है। परंपरागत रूप से केवल महिलाएं ही इस शाल की कढ़ाई करती हैं जो दोहरे कपड़े के एक बड़े टुकड़े से बना होता है। आमतौर पर यह बाएं कंधे के ऊपर से पहना जाता है और फिर पूरे परिधान को पीछे से घुमाकर दाहिने कंधे से बाएं कंधे पर डाला जाता है। टोडा पुरुष और महिलाओं के लिए यह शाल न केवल सौंदर्यात्मक अनुभूति है, बल्कि सम्मान का प्रतीक भी है। वे अपनी कढ़ाई परंपरा पर गर्व करते हैं।

करीब सर्वर डाउन होने से कोरोना जांच में हो रही देरी

भोपाल । राजधानी में कोरोना का सैंपल लेने के बाद मरीज की जानकारी आरटी-पीसीआर पोर्टल में दर्ज करने में दिक्कत आ रही है। इसकी वजह है कि आइसीएमआर के इस पोर्टल का सर्वर दोपहर में 12 से 1 बजे के करीब प्रतिदिन डाउन हो जा रहा है। तब तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। भोपाल के लगभग सभी फीवर क्लिनिको में ऐसी स्थिति बनती है। कई जगह विकल्प के तौर पर पोर्टल में एंट्री करने की जगह रजिस्टर में नाम और फोन नंबर लिख लिया जाता है, लेकिन पोर्टल में एंट्री नहीं होने की वजह से मरीज को जांच रिपोर्ट संबंधी एसएमएस नहीं मिल पाता। पॉजिटिव आने पर मरीज को खोजना भी मुश्किल हो जाता है। फीवर क्लीनिकों में जांच करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि आरटी-पीसीआर पोर्टल में मरीज का नाम, पता, उम्र और लक्षण दर्ज करना होता है। इसके बाद ही जांच की जाती है। सर्वर डाउन होने की स्थिति में मरीजों को इंतजार करने के लिए कहा जाता है। इसकी वजह से सबसे ज्यादा दिक्कत जेपी अस्पताल के फीवर क्लीनिक में हो रही है। यहां पर हर दिन करीब 500 मरीजों की जांच की जाती है, लेकिन सर्वर डाउन होने की वजह से जांच में देरी होती है। इस कारण मरीजों और कर्मचारियों के बीच आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। एक खिड़की सामने की तरफ है, जहां पहले पर्चा बनाया जाता था। दो खिड़कियां पीछे की तरफ होम्योपैथी ओपीडी के पास हैं। यह पोर्टल आइसीएमआर का है इसलिए वह कुछ नहीं कर सकते। मरीजों का नाम रजिस्टर में लिख दिया जाता है। बाद में पोर्टल पर एंट्री कर ली जाती है।

लग्जरी कार से हो रही थी शराब तस्करी

महिला समेत तीन गिरफ्तार

भोपाल । शराब दुकान के मैनेजर ने नौकरी छोड़कर खुद लग्जरी कार से शराब की तस्करी शुरू कर दी थी। उसने इस अवैध कारोबार में एक महिला और दोस्त को साथ ले लिया था। वे आसपास के जिलों से सस्ते में शराब लाकर महंगे दाम पर बेचते थे। महिला को साथ रखने का कारण सिर्फ इतना था कि पुलिस नाकेबंदी के दौरान भी कार को रोकती नहीं थी। पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ आबकारी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से करीब 80 लीटर शराब बरामद की और कार को भी जब्त कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक सूचना मिली थी कि बागसेवनिया इलाके से एक लग्जरी कार से शराब तस्करी हो रही है। इस पर क्राइम ब्रांच ने अपनी दो टीमों को मौके पर भेजकर घेराबंदी की। जैसे ही कार दिखी तो उसे रोकने का इशारा किया गया। कार रुकते ही चालक की पहचान जसवंत सिंह उर्फ संतू (45) निवासी चंचल कालोनी सोनागिरी पिपलानी के रूप मे हुई। उसके बगल में गादीपुरा राम मंदिर पिपलानी निवासी 30 वर्षीय पूनम लोधी व पीछे की सीट पर ओल्ड अशोका गार्डन निवासी 38 वर्षीय कुलदीप सिंह चौहान बैठे हुए थे। कार की तलाशी में सात पेटी अंग्रेजी शराब (कुल 84 बोतल) व एक बैग में 96 क्वार्टर मिले। इस पर तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि जसवंत पहले शराब दुकान में मैनेजर था। यह काम छोड़कर शराब की तस्करी करने लगा था। वह अपने साथियों को इसलिए साथ रखता था ताकि पुलिस समझे की मंहगी कार में सवार लोग एक परिवार हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे मंडीदीप से सस्ते में शराब भोपाल लेकर आते थे। इन्हें एक पेटी पर एक हजार रुपये का मुनाफा हो रहा था। साथ ही पूनम को दो हजार रुपये एक बार की तस्करी के अलग से दिए जाते थे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बैरसिया गोशाला में गायों की मौत को लेकर सियासत गरमाई भोपाल में सड़क पर उतरे कांग्रेसी

पीसी शर्मा की अगुआई में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने गो-संवर्धन बोर्ड के कार्यालय का किया घेराव!

भोपाल। बैरसिया के बसई गांव की गोशाला हुई गायों की मौत को लेकर सियासत लगातार गरमा रही है। गुरुवार को भोपाल में इस मसले पर कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए गो-संवर्धन बोर्ड के ऑफिस का घेराव किया। सुबह साढ़े ग्यारह बजे टीटी नगर इलाके में प्लेटिनम प्लाजा माता मंदिर के नजदीक कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की अगुआई में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता एकत्रित हुए गौ संवर्धन बोर्ड के कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस ने प्रर्दशनकारियों को कार्यालय के गेट के बाहर ही रोक दिया, जिसके बाद पीसी शर्मा समेत जिला कांग्रेस के अन्य नेता व कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए और शिवराज सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। दोषियों को फांसी देने की तख्तियां लेकर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता। पीसी शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार गायों की मौत के मामले में आरोपियों को बचा रही है। हमारी मांग है कि गौ-संवर्धन बोर्ड को तुरंत भंग किया जाना चाहिए और हाईकोर्ट के किसी सिटिंग जज से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। कांग्रेस के प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गोशाला संचालक निर्मला देवी शांडिल्य की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। हालांकि गोशाला संचालक के खिलाफ केस दर्ज हो चुका है और प्रशासन गोशाला का संचालन अपने हाथ में ले चुका है।

ग्वालियर बनेगा ग्रीन ऊर्जा का हब

भोपाल। मध्य प्रदेश के चार नगर निगमों में ग्वालियर आने वाले दो सालों के अंदर ग्रीन ऊर्जा का सबसे बड़ा हब बन जाएगा। ग्वालियर नगर निगम अपनी सम्पत्तियों पर ग्रीन ऊर्जा के लिए सोलर प्लांट लगाने जा रहा है। इन सोलर प्लांटों के लग जाने से नगर निगम को करोड़ों रुपये सालाना की बिजली बिल की बचत होगी। नगर निगम ने इसके लिए सीएंडडी बेस्ट प्लांट, केदारपुर कचरा निरस्तारण केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना की छतों एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर ग्रीन एनर्जी के लिए सोलर पैनल लगाने की योजना बनाई है। नगर निगम के केदारपुर कचरा निरस्तारण केंद्र का करीब 7 लाख रुपये माह का बिजली बिल आता है। इसके साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट जो कि अमृत योजना के तहत बनाए गए हैं, इनका भी हर साल करीब 10 से 12 करोड़ रुपये का सालाना बिजली का बिल आएगा। ऐसे में नगर निगम अब ऐसे स्थानों पर सोलर पैनल लगा रहा है, जहां पर सर्वाधिक बिजली के बिल आते हैं। इसके लिए नगर निगम ने सीएंडडी बेस्ट प्लांट के लिए 1.5 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए करीब 20 करोड़ रुपये, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 10 करोड़ रुपये का सोलर पैनल लगाने जा रहा है। इसी प्रकार सीएंडडी बेस्ट प्लांट नगर निगम केदारपुर में कचरा निरस्तारण केंद्र के पास बनाने जा रहा है। नगर निगम वहां पर करीब 2 बीघा भूमि पर सोलर पैनल लगाएगा। इसी प्रकार केदारपुर कचरा निस्तारण केंद्र पर भी 1 बीघा में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जबकि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर उनकी क्षमता के अनुरूप खुली भूमि पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। ऐसे ही नगर निगम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सागरताल, महलगांव, एवं सिरोल पर बहुमंजिला इमारतें बनाई गई हैं। सागरताल पर मानपुर फेज 1 में 1 लाख वर्गफीट फीट एरिया है, जबकि फेज 2 में 80000 वर्गफीट एरिया है। इसी प्रकार महलगांव में 90000, जबकि सिरोल में अभी मल्टी निर्माणाधीन है। इसकी भी छतों का साइज करीब 80000 वर्गफीट है। इन सभी साइडों को मिलाया जाए तो 3,50000 वर्गफीट छत का एरिया हो रहा है। इन सभी बहुमंजिला इमारतों की छतों पर नगर निगम द्वारा सौर ऊर्जा से बिजली बनाने के लिए सोलर पैनल लगाने जा रहा है। 100 वर्गफीट में बनती है एक किलोवाट बिजली: 100 वर्ग फीट की छत पर सौर ऊर्जा के पैनल लगाने के बाद एक किलोवाट बिजली बनाई जाती है। एक किलोवाट बिजली में व्यक्ति अपने घर में पंखा, टीवी, एवं एलईडी लाईट आसानी से चला सकता है। पीएम आवास की छतों पर बनेगी 3 मेगावाट बिजली: पीएम आवास की सभी साइडों पर नगर निगम सोलर पैनल लगाने जा रहा है, इन पैनलों के लग जाने के बाद वहां पर प्रतिदिन करीब 3 मेगावाट बिजली बनेगी। इस बिजली को यह 6.5 प्रति यूनिट के हिसाब से बेच सकेंगे। इसके चलते नगर निगम को करीब 3 करोड़ रुपये सालाना की बिजली मिलेगी।

एक महोत्सव के रास्ते तीन शहरों के पर्यटन को बढ़ावा

इंदौर। कोरोना काल में स्थानीय पर्यटन को बहुत पसंद किया जा रहा है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अब प्रदेश में एक और जल महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। हनुवंतिया के बाद अब मंदसौर जिले के गांधी सागर में भी जल महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके लिए न केवल योजनाएं और पैकेज बना लिए गए हैं बल्कि टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम जल महोत्सव के जरिए गांधी सागर की तरफ पर्यटकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है साथ ही उससे मंदसौर के अन्य पर्यटन स्थलों के अलावा उज्जैन और इंदौर को भी जोड़ा जा रहा है। सात दिवसीय जल महोत्सव अक्टूबर-नवंबर में होगा।वाटर और एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटी के अलावा कला-संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा आर्ट कैंप और कला प्रदर्शनी भी होगी। यहां टेंट सिटी भी बनाई जाएगी। यहां पर्यटकों को नाइट सफारी का मौका भी मिलेगा जो हनुवंतिया में नहीं है।

गांधी सागर के लिए यह है योजना

हर शहर को जान सकेंगे पर्यटक

इंदौर से गांधीसागर तक पर्यटकों को ले जाने के लिए विभाग ने विशेष पैकेज बनाया है। इसके तहत इंदौर, उज्जैन और मंदसौर को जोड़ा है। पैकेज के तहत उज्जैन में महाकाल ज्योतिर्लिंग, हरसिद्धी, मंगलनाथ, सांदिपनी आश्रम, राम घाट, मंदसौर में पशुपतिनाथ मंदिर, गांधीसागर में हिंगलाज किला, चतुर्भुजनाला, धर्मराजेश्वर मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा।

इंदौर को भी मिलेगा लाभ

गांधी सागर के साथ इंदौर, उज्जैन और मंदसौर तीनों शहरों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज तैयार किया गया है। पैकेज के तहत उज्जैन और मंदसौर के खास पर्यटन स्थलों की सैर पर्यटकों को कराई जाएगी। चूंकि बाहर के पर्यटक इंदौर आकर रवाना होंगे इसलिए उन्हें शहर के पर्यटन स्थलों की जानकारी भी दी जाएगी।

गांधी सागर में मालाश्री टापू पर रेस्टोरेंट भी शुरू किया गया है और वहां तक जाने के लिए बोट क्लब भी शुरू किया जा चुका है। अनुकूल मौसम के मुताबिक अक्टूबर-नवंबर में जल महोत्सव शुरू किया जाएगा। - एनके स्वर्णकार, रीजनल मैनेजर, मप्र पर्यटन विकास निगम

एनएचएआई के हाइवे क्रमांक 30 का मामला

गांव को जोड़ने वाली सर्विस रोड गायब

सिहोरा। नेशनल हाईवे-30 को बने तैयार हुए लगभग 4 साल से अधिक का समय बीत चुका है हाइवे से गुजरने वाले सिहोरा तहसील के मोहतरा गांव के रहवासी सर्विस रोड सहित अन्य व्यवस्थाओं की मांग को लेकर अधिकारियों को पत्र लिख लिख कर परेशान हो गए।

एनएचएआई और निर्माण कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा यहां के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। स्थिति यह है नेशनल हाईवे को गांव से जोड़ने वाली सर्विस रोड विभागीय अधिकारियों ने बनाई ही नहीं।

ये है पूरा मामला

मोहतरा गांव नेशनल हाईवे-30 के दोनों ओर बसा है। दूसरी तरफ स्कूल जाने के लिए बच्चों का आना-जाना,ट्रैक्टर ट्राली और आमजन इसी चौराहे से मुख्य सड़क पार करते हैं। लेकिन विभाग ने मोहतरा गांव को दोनों तरफ जोड़ने के लिए सर्विस रोड तक नहीं बनाई। जिसके कारण यहां के रहवासी परेशान हैं। इसके अलावा ना तो यात्री प्रतिक्षालय बना और न ही डिवाइडर साथ ही नाली तक का निर्माण नहीं किया गया।

आये दिन बनी रहती है दुर्घटना की स्थिति

ग्राम के मनोज चौबे,सरपंच गौरा बाई कोल, मुकेश चौबे,कमलेश पटेल,राजेंद्र चौबे, कमलेश साहू,चौथे शुक्ला,रामशरण चक्रवर्ती, वीरेंद्र चौबे,रामकृपाल काछी,भगवान दास साहू,मोहनलाल शुक्ला बताते हैं कि मुख्य मार्ग ब्लैक स्पॉट बन गया है। स्थिति यह है कि यहां आए दिन दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों सहित सरपंच ने कई बार एनएचएआई के अधिकारियों को सर्विस रोड सहित अन्य सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा इसके बाद भी अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इन स्थानों पर बने सर्विस रोड

पांडे ढाबा से पहले पूर्व दिशा की ओर,पांडे ढाबा से आगे पश्चिम दिशा की ओर बघेला नाला से पहले से पूर्व दिशा की ओर बंधा सड़क तक सर्विस रोड बनाने की मांग की गई है।

शासकीय कालेज में आम बजट पर संगोष्ठी

सिहोरा । शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाधान में बजट पर चर्चा-आम बजट 2022-23 विषय पर एक संगोष्ठी रखी गई। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को बजट के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना और बजट की समझ विकसित करना है।

छात्र छात्राओं को बताया महत्व

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ गीता पाण्डेय ने बजट की अवधारणा पर बल देते हुए बताया कि बजट किसी भी सरकार द्वारा एक वित्तीय वर्ष की सार्वजनिक आय और व्यय का लेखा-जोखा होता है। साथ ही प्रजातांत्रिक सरकार में बजट का स्वरूप के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव के द्वारा %बजट क्या है% इस विषय पर विस्तार से व्याख्या करते हुए बताया कि लोग अपने घर का बजट बनाते समय आय के आधार पर व्यय का निर्धारण करते हैं और यही बजट जब सरकार बनाती है तो व्यय का निर्धारण पहले करती है फिर उसके आधार पर आय की व्यवस्था करती है। और साथ ही बजट की अनेक पहलुओं को सरल और रुचिकर ढंग से प्रस्तुत किया।अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ धीरेंद्र कुमार बघेल ने हालिया बजट में कृषि,और अधोसंरचना पर सरकार की तरफ से किये गए प्रयाश और इनके विकास के लिए उठाये गए कदमों की व्याख्या करते हुए कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की री? है और इसके बिना डबल डिजिट ग्रोथ हासिल करने की बात करना बेमानी है। डॉ संदीप कुमी हालिया बजट में शिक्षा,स्वास्थ्य,हाईवे निर्माण,बजट के आकार, नई योजनाओं की घोषणा,राजस्व के स्रोत और राजकोषीय घाटे के बारे में छात्रों से चर्चा करते हुए कहा कि वन क्लास-वन चैनल और डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी जो कोरोना महामारी के बीच शिक्षा के स्तर को निरंतर बनाये रखा जाए।जागेश्वर प्रसाद प्रजापति ने मंच संचालन करने के साथ ही बजट निर्माण की प्रक्रिया और पार्लियामेंट में बजट का वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुतिकरण, बजट पर बहस, अनुदान मांगें और वित्त विधेयक के बारे में छात्रों को बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ नागेंद्र सिंह उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राणिविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अरुण पांडेय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए बताया कि बजट किसी भी सरकार द्वारा देश के विकास के लिए आय और व्यय का व्यवस्थित दस्तावेज है,देश के सामने प्रस्तुत कर आगे की रणनिति तैयार करती है और फिर समयबद्ध तरीके से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयाश करती है। संगोष्टि में अर्थशास्त्र विभाग के सभी प्राध्यापक,वक्ता,और महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विषय,वाणिज्य विषय के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ- साथ वे विद्यार्थी भी उपस्थित रहे जो आर्थिक विषयों पर रुचि रखते हैं।

संभाग स्तरीय क्रिकेट (महिला वर्ग) प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर की संस्कृति गुप्ता का शानदार प्रदर्शन

वेंकटनगर -म.प्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत संभाग स्तरीय क्रिकेट (महिला वर्ग) प्रतियोगिता जो दिनांक 31.01. 2022 से अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा ह्लह्लस्र में आयोजित है इस प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय वेंकट नगर की ओर से कु.संस्कृति गुप्ता एवं कु.शिवानी शुक्ला का चयन हुआ है, जिसमें कु.संस्कृति गुप्ता ने ओपनिंग बल्लेबाजी करते हुए सतना के खिलाफ 149 एवं सीधी के खिलाफ 127 दो लगातार शतक बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही। इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संस्था के क्रीडा अधिकारी श्री मनीष नामदेव शुभकामनाएं प्रेषित की एवं महाविद्यालय परिवार ने बधाई प्रेषित की है, संस्था के प्राचार्य डॉ आर के सोनी ने खिलाड़ी छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जनपद पंचायत कुंडम में पदस्थ सहायक यंत्री के ना आने से मनरेगा के कार्य प्रभावित

कुंडम.जनपद पंचायत कुंडम में पदस्थ प्रभारी सहायक यंत्री विरेंद्र सिंह जो विगत 3 माह पूर्व कुंडम में पदस्थ हुए हैं मगर 3 महीने में मात्र 10 दिन कुंडम जनपद पंचायत कार्यालय में आए हैं बाकी दिनों जब सहायक यंत्री को हितग्राही सरपंच,सचिव ढूंढते हैं तब पता चलता है कि वह अभी छुट्टी पर हैं जिससे मनरेगा सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं जिससे शासन की योजनाएं ढप पड़ी हुई हैं सरपंच,सचिव हितग्राहियों का रोज-रोज जनपद कार्यालय में टी.एस लिए चक्कर काट-काट कर थक जाते हैं और मनरेगा के सारे कार्य आधे-अधूरे पड़े हैं जिससे ग्रामीण जनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सहायक यंत्री वीरेंद्र सिंह के पास कुंडम का अतिरिक्त प्रभार है जहां पर वह कार्य करना नहीं चाहते और वह हमेशा छुट्टी पर ही रहते हैं कलेक्टर जबलपुर एवं जिला पंचायत जबलपुर से मांग की गई है की जनपद पंचायत कुंडम में 68 ग्राम पंचायत एवं 199 गांव आते हैं जनपद पंचायत कुंडम आदिवासी क्षेत्र की सबसे बड़ी जनपद पंचायत है यहां पर तत्काल फुल फ्रेस सहायक यंत्री होना चाहिए ताकि क्षेत्रीय जनों को परेशानी का सामना ना करना पड़े एवं सहायक यंत्री विरेंद्र सिंह को तत्काल प्रभार से हटाया जाए ताकि कार्य प्रभावित ना हो।

जनपद सिहोरा की लोक जैव-विविधता पंजी का विमोचन

सिहोरा। जनपद पंचायत सिहोरा की लोक जैव विविधता पंजी का विमोचन राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल मध्यप्रदेश में हुआ।पंजी की प्रतियां पी.आई. डॉ.अरुणा पाण्डे प्राध्यापक शासकीय श्याम सुन्दर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा ने बोर्ड के सम्मुख प्रस्तुत कीं। विमोचन प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ.धीरेन्द्र वर्मा एवं सहायक सदस्य सचिव डॉ.बकुल लाड के द्वारा किया ।इस अवसर पर डॉ कुनिका सिलोडिया, विजेश हरियाले,डॉ.गौरव सिंह,शुभम पंकज, सुश्री शिवानी शर्मा आदि तकनीकि सहायक उपस्थित थे।पंजी निर्माण के को .पी.आई.डॉ.राजेश वाहने ने जैव विविधता प्रबंधन समिति की अध्यक्ष,सचिव,एवं सभी सदस्यों का पंजी निर्माण में योगदान के लिए आभार व्यक्त किया है। इस कार्य में सभी ग्राम पंचायतों के सचिव,सरपंच,कृषक,वैद्य,ग्रामीण जन, व्यापारी, महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं नागरिकों का सहयोग मिला है। डॉ.पाण्डे ने सभी से अपील की है कि जनपद में बहुत सी ऐसी वानस्पतिक संपदा है जो मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है।इन्हें पहचानना और संरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है ।प्रगति की दौ? जैव विविधता के लिए खतरा न बन जाये यह ध्यान रखना भी आवश्यक है। जनपद में नदी,तालाब,खेत, जंगल और पहाड़यिां हैं।इस प्रकार विभिन्न प्रकार का आवास जैव विविधता को बढाया है अतः जैव विविधता के संरक्षण के लिए सभी प्रकार के आवासों को भी संरक्षित करना आवश्यक है ।बरनू ,बुधारी और सरदा ने जंगली जैव विविधता को संजोकर रखा है इसे बचाये रखने के लिए हमें प्रयासरत रहना होगा ।

कमिश्नर ने लखवरिया की गुफाओं का किया अवलोकन

शहडोल । कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा ने आज शाम शहडोल जिले के तहसील बुढार से 15 कि.मी. दूर प्रचीन ऐतिहासिक लखवरिया धाम का भ्रमण के दौरान वहां पर गुफाओं में स्थित शिव मंदिर एवं राम मंदिर में पूजा-अर्चना की एवं उनकी पौराणिकता एवं ऐतिहासिक स्थितियों के संबंध में विस्तार से पूजारियों से जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर ने शिव मंदिर के पुजारी श्री रामानुज मिश्रा से शिवलिंग के संबंध में जानकारी ली। पुजारी ने बताया कि इस शिवलिंग का उल्लेख अग्नि पुराण में भी है। इस दौरान उन्होंने लखवरिया में स्थित प्राचीनतम गुफाओं का भी अवलोकन किया एवं उनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रागंण में बैठकर ग्रामीणों एवं ट्रस्ट के सदस्यों से चर्चा की। कमिश्नर ने राम मंदिर के महंत श्री लल्ला राम शर्मा से मंदिर की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस मौके पर तहसीलदार श्रीमती मीनाक्षी बंजारे, नायब तहसीलदार सुश्री साक्षी गौतम, जूना अखाडा के सदस्य श्री पशुपतनंद गिरि, समाजसेवी एवं ट्रस्टी श्री पावन कुमार चमाडिया, सेवा निवृत्त उप पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी श्री इन्द्र कुमार तिवारी सहित अन्य समाजसेवी ग्रामीणजन उपस्थित थें।

लखवरिया स्थित राम एवं शिव मंदिर में कमिश्नर ने की पूजा-अर्चना

युवक कांग्रेस ने छायाचित्र जलाकर किया प्रदर्शन

सिहोरा- युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया के आव्हान पर सिहोरा विधानसभा अध्यक्ष राहुल पांडेय के नेतृत्व में पीएम के छाया चित्र को जला कर विरोध प्रदर्शन किया गया।कांग्रेस ने पेगासिस जासूसी कांड की न्यायिक जांच की मांग करते हुए पीएम मोदी जी की छाया प्रति जलाई।इस अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण पाठक,राजेश चौबे, बाबा कुरैशी,शंकर वंशकार,मनीष बिरहा, इरफान खान,सतेंद्र पटेल,डब्बू पाठक,अकबर शाह आदि मौजूद थे।

यशोदा बाई की 173 छात्राओं ने लगवाया सेकेंड डोज

सिहोरा--शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार में बुधवार को शाला की प्राचार्य व छात्राएं साथ साथ विद्यालय में ही बने वेक्सीनेशन सेंटर गई।यहां पर 15 से 18 वर्ष की 173 छात्राओं ने उत्साह के साथ सेकेंड डोज रूप में कोरोना से सुरक्षा का वेक्सीनेशन शासकीय अस्पताल खितौला में पदस्थ एएनएम श्रीमती सुनीता शर्मा ने वेक्सीनेशन किया व टीम के सदस्यों में विनोद कोरी,संतोष तिवारी,आशा कार्यकर्ता तनु चक्रवर्ती ने कार्य को सम्पादित कराया। वहीं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शांति कुटार ने कोरोना से सुरक्षा के लिये बूस्टर डोज वेक्सीनेशन कराया।प्राचार्य ने छात्राओं से कहा कि कोरोना से जंग जीतने के लिए वैक्सीन करवाना बेहद जरूरी है इससे किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती इसलिए जो लोग अपना दूसरा डोज नहीं लगवा रहे वह वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।इस अवसर पर सहयोगी के रूप में शिक्षकों जयप्रकाश तिवारी,अरविंद ज्योतिषी,उदयराज त्रिपाठी,योगेन्द्र मिश्रा,दीपक गौतम,दीप्ती राजपूत,माया विश्वकर्मा उपस्थित रही।

जनपद पंचायत बदरा में अंगद की तरह विराजमान उपयंत्री, अंशुल अग्रवाल सब पर भारी..?

जनपद सदस्य ने सीईओ बदरा से उपयंत्री अंशुल अग्रवाल की शिकायत, चेक डैम पुलिया निर्माण सहित बाउंड्री बाउंड्री वॉल निर्माण कार्यो को गुणवत्ता की भेंट चढ़ाने का लगा उपयंत्री पर गंभीर आरोप..!

कोतमा / प्रदेश कां भाजपा सरकार में जिले के कुछ भ्रष्टाचारी नौकरशाहों की चल रही बल्ले बल्ले। प्रदेश की शिवराज सरकार एक ओर विकास कार्यो पर और गति देने में जोर शोर से दिन रात लगे हुए हैं। किंतु अनूपपुर जिले जनपद पंचायत मुख्यालय बदरा में पदस्थ कुछ भ्रष्ट अधिकारी ही शिवराज सरकार के मंसूबे पर पानी फेरने का काम कर रहे है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ग्राम पंचायतों के अंतिम छोर तक विभिन्न योजनाओं के धरातल पर उतारने के लिए कर्ज लेकर योजनाओं को संचालित करने का काम किया जा रहा है।वही भ्रष्टाचारी आचरण के अधिकारी ही शिवराज सरकार के मंसूबे पर पानी फिरने का काम कर रहे हैं। जनपद पंचायत मुख्यालय बदरा में पदस्थ उपयंत्री द्वारा फैलाए जा रहे भ्रष्टाचार के कारण सरकार की विकास नीति भी विफल साबित हो रही है। जिले के जिम्मेदार अधिकारी ही भ्रष्ट नौकरशाह अधिकारी को अभयदान देकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में जुटे हैं ।

अग्रवाल उपयंत्री पर जिले के नौकरशाह अधिकारी मेहरबान-

अनूपपुर जनपद पंचायत मुख्यालय बदरा में पदस्थ उपयंत्री एक सत्ताधारी नेता एवं अधिकारी को चढोत्री चढ़ाकर 8 से 10 वर्षो से जिले में अंगद की तरह पैर जमाए बैठे हैं। उपयंत्री की ऊंची पहुंच पकड़ के आगे जनपद के अधिकारी भी उपयंत्री के सामने नतमस्तक बन बैठे हैं। विकास निर्माण कार्य के नाम पर भरे साहो मचा रखो है।भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले जनपद पंचायत बदरा के उपयंत्री अंशुल अग्रवाल ने ग्राम पंचायत सोही बेलहा एवं पयारी नंबर 2 में चेक डैम निर्माण कार्यों पर जमकर अनियमितता कर मापदंडों की अनदेखी कर शासकीय राशि का दुरुपयोग कर बंदरबांट किया गया। ग्राम पंचायत सोही बेलहा एवं पयारी नंबर 2 में जिस स्थान पर निर्माण की कोई उपयोगिता नहीं थी उन जगहों पर उपयंत्री ने 5 से 6 चेक डैम निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन बना डालें जिसकी शिकायत पूर्व में भी हो चुकी है। चेक डैम निर्माण कार्यों की जांच भी हुई किन्तु ऊंची पहुंच पकड़ के कारण जांच फाइलों में ही दफन हो गई। उपयंत्री को कुछ दिनों के लिए निलंबित कर मामले को शांत कराने का प्रयास किया गया, पूरा मामला ठंडा होते ही अपने आकाओं के दम पर पुनः उसी जगह पर उपयंत्री विराजमान हो गए। उपयंत्री ने एक चेक डैम निर्माण कार्य पर लगभग 15 - 15 लाख खर्च कर शासकीय राशि की बर्बादी कर डाली जिसे कोई देखने सुनने वाला नहीं।उपयंत्री अंशुल अग्रवाल अक्सर निर्माण कार्य स्थल में मौके पर कार्य का मूल्यांकन व सत्यापन ना कर घर बैठे साहब का मूल्यांकन सत्यापन कागजों में हो जाता दिया।

उपयंत्री ने चेक डैम व पुलिया निर्माण पर मचाई भरें साही - जनपद सदस्य-

जिला जनपद पंचायत मुख्यालय जनपद पंचायत बदरा की जनपद सदस्य चमरिन बाई कंवर ने जिला पंचायत सीईओ बदरा से 1 फरवरी 2022 को उपयंत्री अंशुल अग्रवाल के विरुद्ध अपने लेटर पैड में शिकायत करते हुए गंभीर आरोप लगाते हुए बताया को उपयत्रां अशुल अग्रवाल द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते ग्राम पंचायत सोही बेलहा एवं पयारी नंबर 2 में चेक डैम एवं पुलिया निर्माण कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपए शासन के बर्बाद कर दिए गए।चेक डैम निर्माण की जरूरत जिन जगहों पर नहीं थी उन स्थानों में मनमानी तरीके से चेक डैम व पुलिया निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन बनाकर शासकीय राशि पर पलीता लगा कर भ्रष्टाचार परोसा जा रहा है । घटिया स्तर का निर्माण कार्य कराकर शासकीय राशि का दुरुपयोग कर अपनी अपनी जेब भरी गई। जनपद सदस्य ने यह भी कहा कि जिस जगह 6 चेक डैम निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन लगभग 75 लाख के लागत से बनाए गए वहां अन्नदाता किसानों को किसी प्रकार का लाभ नहीं होने वाला। कई स्थानों में 5 -5 लाख की गुणवत्ता विहीन पुलिया निर्माण कार्य कर दिया गया जहां पुलिया की कोई आवश्यकता है।

कहना है -

कुछ लोग मेरी झूठी शिकायत इसलिए भी कर रहे भोपाल जाने के लिए मैं पैसे नहीं देता, जनपद सदस्य द्वारा मेरे विरुद्ध जो भी शिकायत की गई है निराधार है चेक डैम निर्माण कार्य की जांच भोपाल से टीम आकर कर चुकी है, मुझे दोष मुक्त कर चुकी है। चेक डैम पुलिया निर्माण कार्य पुराना मामला हो चुका है।

अंशुल अग्रवाल
उपयंत्री जनपद पंचायत
मुख्यालय बदरा

बाउंड्री वॉल चढ़ी गुणवत्ता की भेंट,भवन निर्माण कार्य में लाल ईट का हो रहा उपयोग-

जनपद सदस्य चमरिन बाई कंवर सहित गांव के दर्जनों स्थानीय लोगों ने उपयंत्री अंशुल अग्रवाल पर भ्रष्टाचार शासकीय पैसे के दुरुपयोग करने का गंभीर अरोप लगाते हुए बताया कि उपयंत्री अंशुल अग्रवाल द्वारा ग्राम पंचायत सोही बेलहा में प्राथमिक पाठशाला एवं ग्राम पंचायत पयारी नंबर 02 माध्यमिक विद्यालय में कई लाखों की बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य अपने निजी ठेकेदार के माध्यम कराया जा रहा है जो नियम विरुद्ध है। वही निर्माण कर बहुत ही घटिया स्तर का करके शासकीय पैसे का बंटाधार किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में होने वाले निर्माण कार्य जैसे बाउंड्री वाल एवं अन्य भवन निर्माण कार्यों में लाल ईट का ज्यादातर उपयोग कर निर्माण कार्य आनन-फानन में किया जा रहा।इस्टीमेट को दरकिनार कर निर्माण कार्यों का मूल्यांकन उपयंत्री घर बैठे कर रहा है।

बीएलएस इंटरनेशनल वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए अंतरिम लाभांश के बारे में विचार करेंगी

मुम्बई। बीएसई,एनएसई और एमएससी में सूचीबद्ध बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस लिमिटेड एक विश्व स्तरीय भरोसेमंद, सरकार और जनता का तकनीकी रूप से सक्षम सर्विस पार्टनर है, जिसने 2005 से वीज़ा, पासपोर्ट, कांस्लर, सिटीज़न, ई - गवर्नेंस, अटेस्टेशन, बायोमेट्रिक, ई - वीज़ा और रिटेल सर्विसेस के क्षेत्र में बिना किसी त्रुटि के बेंचमार्क स्थापित किया है।एनएसई पर उपलब्ध बड़े डील डाटा के आधार पर सैंट कैपिटल फंड ने 27 जनवरी 2022 को 217. 93 रुपये पर 5,25,000 शेयर लिए। हाल ही में कंपनी ने एक्सचेंजेस बीएसई,एनएसई एवं एमएसई को सूचित किया कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 2 फरवरी 2022 को बुलायी गयी है, जिसमें कंपनी के बिना ऑडिट किए हुए और समेकित वित्तीय परिणाम जो कि 31 दिसम्बर 2021 को समाप्त तीसरी तिमाही के हैं, पर विचार कर अनुमत किया जाएगा। कंपनी ने यह भी कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंतरिम लाभांश (यदि कोई हो) भी घोषित किए जाएंगे और अंतरिम लाभांश से संबंधी तारीख भी निर्धारित की जाएगी।

देवहरा से शुरू हुआ

कांग्रेस का घर-घर चलो अभियान

अनूपपुर। भाजपा की नीतियों और रीतियों को लोगों के सामने उजागर करने कांग्रेस आलाकमान के आदेश पर 1 फरवरी को अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी डॉ राज तिवारी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव रमेश सिंह ने विधानसभा क्षेत्र में घर-घर चलो अभियान की शुरु आत कीद्य जिसके अंतर्गत प्रभारियों ने पदयात्रा कर लोगों से संवाद कियाद्य प्रभारियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक वर्ग के पास पहुंचे और उनकी समस्याओं को सुनते हुए उसके निराकरण का आश्वासन दियाद्य इस मौके पर कांग्रेस नेता डॉक्टर राज तिवारी का कहना है कि भाजपा की नीतियों और रीति को लोगों के सामने रखना मुख्य उद्देश है, सरकार के चलते जिन लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है उसका निराकरण करना हमारा प्रथम उद्देश हैद्य इस मौके पर जिला प्रभारी मधु भगत पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फुंदेलाल सिंह मार्को,मयंक त्रिपाठी ,संतोष पांडे ,युवक कांग्रेस के जिला महामंत्री मयंक सिंह पूर्व जनपद सदस्य रोहित कुमार, नवीन पांडे, राम तिवारी राजेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा प्रभारी तिवारी ने किया जनसंवाद

हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर लगाया ग्लैमर का तड़क

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भले ही इन दिनों फिल्मों से दूर हों लेकिन सोशल मीडिया पर उनका जलवा कायम है। अपनी लेटेस्ट फोटोज़ में हुमा कुरैशी काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहीं हैं, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये तस्वीरें। इन फोटोज़ में हुमा कुरैशी पर्पल एंड व्हाइट आउटफिट में बेहद कमाल के पोज़ देती दिखाई दे रहीं हैं।

हुमा की इन तस्वीरों में जो खास बात है वो है उनका हेयरस्टाइल, जी हां उनका ये हेयरस्टाइल उन पर काफी जच रहा है।

इन फोटोज़ में हुमा ने ईयररिंग्स, रेड लिपस्टिक और न्यूड मेकअप के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया और अपने बालों को खुला छोड़ा है। इन तस्वीरों में हुमा का बोल्ड अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है, जिनमें उनका एटीट्यूड और स्वैग काबिले तारीफ है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो हुमा कुरैशी तमिल फिल्म %वालिमई% में नजर आएंगी, हुमा पिछली बार फिल्म %बेल बॉटम% में नजर आई थीं। सोशल मीडिया पर हुमा कुरैशी के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आ रहे हैं।

सुनील ग्रोवर की हुई हार्ट सर्जरी

सुनील ग्रोवर के दिल में लॉकेज थी और इसी के चलते उनकी सर्जरी होनी थी लेकिन अपने काम की वजह से सर्जरी में देरी हुई।

सेहत में है पहले से सुधार

द कपिल शर्मा शो में %गुत्थी% और %डॉ मशहूर गुलाटी% की भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता और कॉमेडियन %सुनील ग्रोवर% के स्वास्थ्य को लेकर मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सुनील की मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में %हार्ट सर्जरी% हुई है। रिपोर्ट्स का मानें तो उनके दिल में ब्लॉकेज थी और इसी के चलते उनकी सर्जरी होनी थी लेकिन अपने काम की वजह से सर्जरी में देरी हुई।

खतरे से बाहर हैं सुनील

विरल भयानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर सुनील की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ÷अभिनेता सुनील ग्रोवर ने मुंबई के एशियाई हॉस्पिटल में हार्ट की सर्जरी कराई है। वह अब स्वस्थ हो रहे हैं। सुनील के डॉक्टरों का कहना है कि अब वह खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत में भी पहले से काफी सुधार है। सुनील के लिए आप प्रार्थना करते रहें।÷सुनील ने अभी कुछ ही दिनों पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर %इनफ्लूएंसर्स% के ऊपर एक मजेदार पोस्ट साझा किया था। कॉमेडियन अक्सर अपने मजाकिया पोस्ट से दर्शकों का मनोरंजन करते रहते हैं। वह शिमला की बर्फीली पहाड़ियों में एक वेब सीरीज की शूटिंग भी कर रहे थे, इसकी भी कुछ तस्वीरें अभिनेता ने साझा की थी। सुनील ग्रोवर अमेजन प्राइम की वेब सीरीज तांडव में नजर आए थे। इसके अलावा सुनील ग्रोवर को सनफ्लॉवर नाम की वेब सीरीज में धांसू एक्टिंग के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से भी नवाजा गया है।

सलमान खान ने बिग बॉस खत्म होते जिम पहुंचकर दिखाई बॉडी

सलमान खान ने अपनी लेटेस्ट फोटो से फैन्स की धड़कनें बढ़ा दी हैं। उन्होंने जिम से अपनी बैक की तस्वीर शेयर की है। उनकी मसल्स दिख रही हैं। उनके फैन्स बॉडी देखकर काफी तारीफ कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बिग बॉस 15 खत्म होने के बाद सलमान %टाइगर 3% की जोरदार तैयारियां कर रहे हैं। सलमान खान ने अपनी तस्वीर के साथ कैप्शन दिया है, वापसी कर रहा हूं। बता दें कि बीते दिनों वीडियो वायरल हुआ था जिसमें सलमान के बेली फैट का मजाक उड़ाया जा रहा था। वहीं कुछ लोगों ने सलमान की लेटेस्ट तस्वीर को कटरीना कैफ

का शादा स जाड़कर मज भा लिए ह। सलमान खान के फैन्स उनकी फिल्म %टाइगर 3% का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने लंबे वक्त बाद फिटनेस पर पोस्ट किया है। सलमान ने अपनी पीठ की तस्वीर पोस्ट की है। इसमें उनकी जबरदस्त बॉडी नजर आ रही है। सलमान अपनी फिटनेस से लोगों को इंस्पायर करते रहे हैं। हालांकि बीते दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें सलमान खान का पेट निकला दिखने पर ट्रोल किया जा रहा था। कुछ पोस्ट ऐसे भी थे जिनमें दावा किया गया था कि सलमान खान फिल्मों के लिए नकली बॉडी लगा रहे हैं। अब सलमान की इस तस्वीर पर फैन्स प्यार लुटा रहे हैं। 56 साल की उम्र में ऐसी बॉडी देखकर लोग तारीफ कर रहे हैं।

'ये काली काली आंखें' का दूसरा सीजन जल्द

उत्तर प्रदेश को अपराध प्रदेश के रूप में स्थापित करने वाली वेब सीरीज में इस साल की चर्चित वेब सीरीज रही 'ये काली काली आंखें' का दूसरा सीजन भी जल्दी ही आने वाला है। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव को लेकर बने माहौल के बीच नेटफ्लिक्स ने अपनी इस वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें' के दूसरे सीजन की घोषणा की है। 'ये काली काली आंखें' एक ब्राह्मण राजनीतिज्ञ के अपनी इकलौती बेटी को अपने मुनीम के बेटे से ब्याह देने की कहानी है। और, ये इसके बाद होता है कि पंडित नेता की बेटी इस लड़के को हर कीमत पर पाना चाहती है। सीरीज में ताहिर राज भसीन ने एक ऐसे बेरोजगार युवक का किरदार किया है जिसकी शख्सीयत एक कायर की है और न वह अपने प्रेमी और न ही अपनी जबर्दस्ती की बनी बीवी से ही अपने मन की बात कह पाता है। सीरीज को लेकर हिंदी भाषी प्रदेशों के दर्शक काफी उत्सुक रहे हैं और लोगों ने इसे देखा भी खूब लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर ये सीरीज खरी नहीं उतर पाई। वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें' देखने वालों को सबसे बडी शिकायत यही रही कि इस सीरीज को सीजन के हिसाब से ढंग से डिजाइन नहीं किया गया। पहला सीजन जहां आकर एकदम से खत्म होता है, वह दर्शकों को सबसे खराब

लगा और उनको ये भी लगा जैसे कि सारे आठ एपीसोड देखना ही फिजूल रहा। बताते हैं कि दर्शकों की इसी प्रतिक्रिया को देखते हुए नेटफ्लिक्स ने सीरीज का अगला सीजन जल्द से जल्द रिलीज करने का फैसला कर लिया है। पता ये भी चला है कि सीरीज का दूसरा सीजन भी पहले सीजन के साथ ही शूट हो चुका है। हालांकि, इस बारे में ओटीटी की तरफ से किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।नेटफ्लिक्स और तमाम दूसरे ओटीटी ये ही मानकर चलते हैं कि उनकी वेब सीरीज और फिल्में बस ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों द्वारा देख ली जाएं। सीरीज व फिल्मों की क्वालिटी से उन्हें उतना मतलब नहीं होता जितना इन सीरीज पर दर्शकों के बिताए समय से होता है। दर्शक अपना पैसा और उससे भी कीमती समय निवेश करके सीरीज या फिल्में देखते हैं। वे अच्छी हैं या खराब इस पर बहस करते रहते हैं और ओटीटी का मकसद वहीं पूरा हो जाता है जहां उस सीरीज या फिल्म देखने वालों की तादाद एक अपेक्षित संख्या तक पहुंच जाती है।वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें' को भी दर्शकों ने खूब देखा और बताते हैं कि हिंदी क्राइम सीरीज पसंद करने वाले करीब एक दर्जन देशों में ये सीरीज नेटफ्लिक्स के होम पेज पर दिखने वाली उस देश में देखे जा रहे सबसे लोकप्रिय 10 कॉन्टेंट की नेटफ्लिक्स की अपनी लिस्ट में छठे नंबर पर रही है। भारत के अलावा इस सीरीज को लेकर श्री लंका, मॉरीशस, बहरीन, मालदीव, ओमान, कतर आदि देशों में दर्शक काफी उत्सुक रहे।वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें' के दूसरे सीजन में सौरभ शुक्ला, ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह, शिखा त्रिपाठी और अनंत विजय जोशी की वापसी तय हो चुकी है। सीजन 2 को ग्रीन सिगनल मिलने पर सीरीज के रचयिता, निर्माता, निर्देशक व लेखक सिद्धार्थ सेन गुप्ता ने अपनी साथी लेखकों अनाहता मेनन और वरुण बडोला का आभार जताया और कहा कि ये सब सीरीज के सितारों के साथ साथ बाकी सभी कलाकारों और तकनीशियों की मेहनत से संभव हो पाया।

मां बनने के बाद मैगजीन कवर पर छाईं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra)इन दिनों अपने पति निक जोनस संग पैरेंट्स लाइफ जी रही रही हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने सरोगेसी के जरिए अपने पहले बच्चे के आने की घोषणा की थी और अब मां बनने के बाद प्रियंका ने %हार्पर बाजार अरबिया% के लिए कई शानदार फोटोशूट करवाई हैं। इस फोटोशूट के दौरान की कुछ वीडियो भी इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे हैं जिसमें प्रियंका बेहद खुश और प्यारी लग रही हैं। बता दें कि प्रियंका अपने बच्चे के जन्म के बाद पहली बार किसी मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाई हैं और अपने मन की कुछ बातें भी मैगजिन के साथ शेयर की हैं।

मैगजिन के कवर पेज पर छाई प्रियंका अलग-अलग आउटफिट और स्टाइल में दिख रही हैं। हालांकि फोटोशूट के वीडियो में वह कभी हॉल तो कभी गार्डन तो कभी लीविंग रूम में पोज देती दिख रही हैं।

मैगजिन के लिए फोटोशूट करने के बाद %हार्पर% मैगजिन से बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कई सारे मुद्दों पर बातें की। इसके अलावा उन्होंने अपने परिवार के लिए आभार व्यक्त किया और इस बात पर अपने अनुभवों

को शेयर की कि कैसे महामारी ने उन्हें बदल दिया है। वह कहती हैं कि इस महामारी से दुनिया भर में जो कहर बरपा है उसे देखकर मुझे लगता है कि हमें शांति की सबसे ज्याजा जरूरत है और मैं जानती हूं कि मेरे जीवन में मुझे इसकी लंबे समय से तलाश है। मैं बस इतना ही ढूंढती हूं, मुझे ऐसे लोगों की तलाश है जो प्यार दे, मुझे शांति दें.. मैं सिर्फ खुद को खुश देखना चाहती हूं। एक इंसान के रूप में मुझे बदला है। मुझे यकीन है कि इसने हम में से ज्यादातर लोगों को बदल दिया है। मैं अब उसे प्राथमिकता देना चाहती हूं जो जरूरी है।

रानू मंडल ने गाया वायरल सॉन्ग कच्चा बादाम

इस समय बंगाली गीत कच्चा बादाम सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। रानू मंडल ने भी इस गाने को गाया है और उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो देखने के बाद यूजर्स रानू को जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

इस समय बंगाली गीत कच्चा बादाम सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पश्चिम बंगाल के मूंगफली विक्रेता का गाया हुआ ये गाना इंटरनेट की दुनिया में तेजी से ट्रेंड हो रहा है। लोगों को ये गाना खूब पसंद आ रहा है और लोग इस सॉन्ग पर एक के बाद एक जमकर वीडियो बना रहे हैं। अब इसी बीच रानू मंडल ने भी इस गाने को गाया है और उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो देखने के बाद यूजर्स रानू को जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

गाना सुनते ही ट्रोल करने लगे यूजर्स- इस वीडियो को शाइनी गर्ल नाम के पेज से इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। वीडियो में रानू मंडल कच्चा बादाम गीत गाती हुई नजर आ रही हैं। ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और अब तक इस वीडियो को 77 हजार से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है तो वहीं कमेंट्स की तो जैसे बाढ़ आ गई है। यूजर्स रानू मंडल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इससे पहले भी रानू मंडल ने बचपन का प्यार गाना गाया था और यूजर्स ने उन्हें तब भी खूब ट्रोल किया था।

रातों रात स्टार बन गईं थी रानू मंडल-

आपको बता दें कि रानू मंडल साल 2019 में लाइमलाइट में आईं थी जब %एक प्यार का नगमा है% गाना गाते हुए उनका वीडियो एक युवा इंजीनियर अतींद्र चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया था। ये वीडियो बहुत ही तेजी से वायरल हुआ था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद रानू रातों-रात स्टार बन गईं थीं। जिसके बाद उन्होंने सिंगर हिमेश रेशमिया की फिल्म हैप्पी हार्डी एंड हीर के लिए गाना गया था। ये गाना भी खूब हिट हुआ था लेकिन रानू मंडल की ये प्रसिद्धि ज्यादा दिनों तक नहीं टिकी और वह वापस अपनी दुनिया में आ गई हैं लेकिन अक्सर उनकी कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं।

वहीदा रहमान ने फिल्म के सेट पर अमिताभ बच्चन को जड़ दिया था जोर का थप्पड़

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अदाकारा वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी सन 1938 में तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में हुआ था। 50 और 60 के दशक में अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अभिनय से वहीदा रहमान लोगों के दिलों पर राज करती थीं। उन्हें बचपन से ही संगीत और नृत्य का शौक था, हालांकि वह डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन आर्थिक परेशानियों के चलते उन्हें फिल्मों में काम करना पड़ा। इसके बाद अपनी काबिलियत के बल पर उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी एक अलग मुकाम बनाया। यहां तक की वहीदा रहमान को पद्मश्री और पद्मभूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। अपने फिल्मी करियर में अभिनेत्री वहीदा ने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया उन्हीं में से एक सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी हैं। तो चलिए उनके जन्मदिन पर जानते हैं एक ऐसा ही दिलचस्प किस्सा जब वहीदा रहमान ने अमिताभ बच्चन को फिल्म के सेट पर लगा दिया था जोरदार तमाचा।जब कोई फिल्म बनती है तो एक पूरी कहानी पर्दे पर सामने आती है, लेकिन फिल्म की शूटिंग के दौरान भी कई कहानियां और किस्से बनते हैं। ऐसा ही एक किस्सा हुआ फिल्म रेश्मा और शेरा के दौरान। इस फिल्म में एक सीन के दौरान वहीदा रहमान को अमिताभ बच्चन कसकर एक थप्पड़ मारना था। फिर क्या था, शूटिंग से पहले ही उन्होंने अमिताभ बच्चन को सावधान कर दिया था। वहीदा रहमान ने मजाक करते हुए कहा था, तैयार रहना मैं आपको जोरदार थप्पड़ लगाने वाली हूं।

जब गलती से लग गया जोरदार चांटा

जैसा कि निर्देश दिया गया था, वहीदा जी ने सीन शुरू होते ही अमिताभ बच्चन को थप्पड़ मार दिया। हालांकि मजाक वाली बात सच हो चुकी थी और अमिताभ को गलती से जोरदार थप्पड़ पड़ गया था।

सीन के बाद ऐसा था बिग बी का रिएक्शन

जब ये सीन पूरा हुआ तो सभी को पता चल गया था कि असल में थप्पड़ जोर से पड़ गया है। सीन खत्म होने के बाद अमिताभ बच्चन वहीदा रहमान के पास गए और कहा वहीदा जी काफी अच्छा था। इसके बाद ये दिलचस्प किस्सा काफी चर्चित हो गया। वहीदा रहमान ने भी एक बार कपिल शर्मा शो के दौरान ये किस्सा बताया था।

आलिया भट्ट स्टारर फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। इसके साथ ही ट्रेलर रिलीज की जानकारी भी दी गई है। गंगूबाई काठियावाड़ी का ट्रेलर 4 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। बता दें, पिछले साल भी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है।

नए पोस्टर में आलिया का दमदार लुक, 25 फरवरी को आ रही है गंगूबाई काठियावाड़ी

संजय लीला भंसाली की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट कई बार टलने के बाद आखिरकार इसी महीने 25 फरवरी को रिलीज होने जा रही है।

फिल्म का नया पोस्ट साझा करते हुए आलिया ने लिखा- आ रही है गंगू...ट्रेलर 4 फरवरी को रिलीज होगा। फिल्म के पोस्टर में आलिया बिस्तर पर बैठी हुई हैं। सफेद रंग की साड़ी, आखों में मोटा-मोटा काजल और बड़ी सी बिंदी लगाए आलिया का अवतार काफी दमदार नजर आ रहा है

लेडी डॉन के किरदार में आलिया

इस फिल्म में आलिया भट्ट गंगूबाई का किरदार निभा रही हैं। आलिया फिल्मों में दमदार किरदार निभाती हैं, लेकिन पहली बार वो डॉन के किरदार में नजर आने वाली हैं। काफी पहले इस फिल्म का पहला ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। हालांकि इसका ट्रेलर फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया था। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की कहानी किताब %द माफिया क्वीन ऑफ मुंबई% पर आधारित है। इस किताब को हुसैन जैदी ने लिखा है।

18 फरवरी को रिलीज होने वाली थी फिल्म

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही गंगूबाई काठियावाड़ी काफी लंबे समय से चर्चा में है। बता दें कि फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली, आलिया भट्ट और फिल्म के दूसरे स्टार कास्ट को कोरोना हो गया था और इसके कारण भी फिल्म की शूटिंग पूरा होने में वक्त लग गया। पिछले साल नवंबर में फिल्म की रिलीज डेट 18 फरवरी 2022 तय की गई थी, हालांकि कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए इसकी रिलीज डेट डाल दी गई। हालांकि अब ये फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

राधेश्याम की रिलीज डेट का एलान

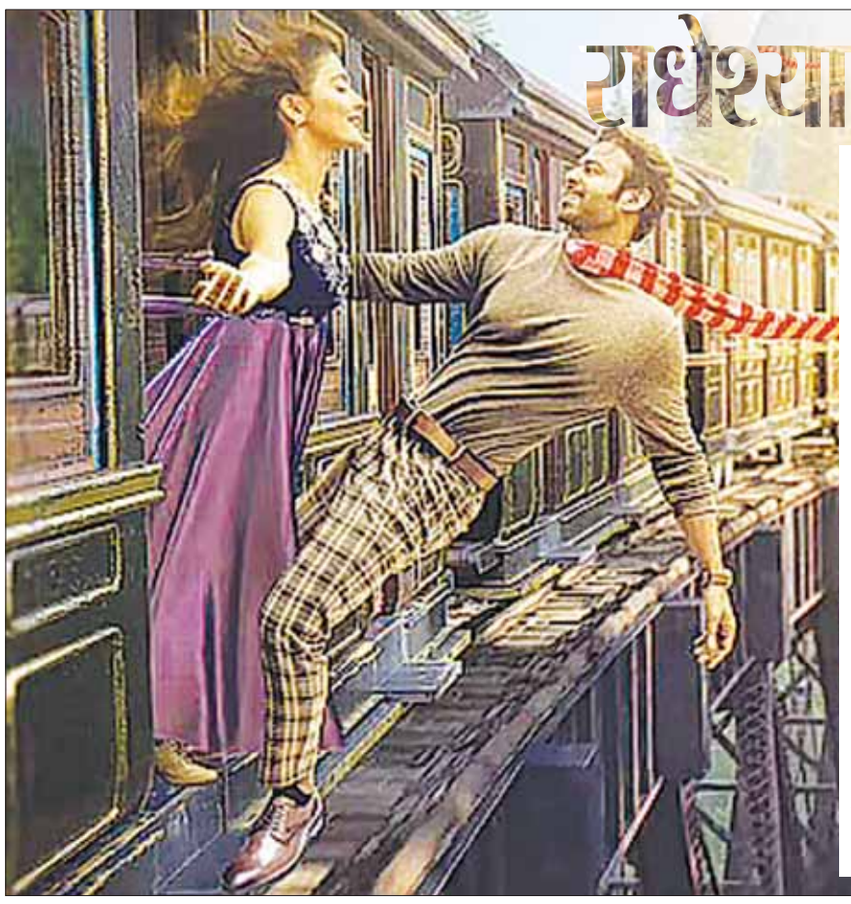

कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए कई बडी फिल्मों की रिलीज डेट टल गई थी। हालांकि अब हालात सामान्य होते देख मेकर्स नई रिलीज डेट की घोषणा कर रहे हैं।

प्रभास और पूजा हेगड़े की बहुचर्चित फिल्म %राधे श्याम% की रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 11 मार्च 2022 को रिलीज होगी।

कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए कई बडी फिल्मों की रिलीज डेट टल गई थी। हालांकि अब हालात सामान्य होते देख मेकर्स नई रिलीज डेट की घोषणा कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने साझा किया पोस्टर

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने फिल्म का नया पोस्टर ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा, ÷यह रोमांचक प्रेम कहानी 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।÷ 1970 के दशक की इस कहानी ÷राधे श्याम÷ में प्रभास विक्रमादित्य का रोल प्ले करेंगे, जिसे पूजा हेगड़े द्वारा निभाई गई %प्रेरणा% नाम की लड़की से प्यार हो जाता है।

मार्च में दर्शकों को एंटरटेन करेगी प्रभास और पूजा हेगड़े की फिल्म

सिर्फ सिनेमाघरों में होगी रिलीज

इसकी रिलीज डेट की घोषणा से एक हफ्ते पहले ही फिल्म के निर्देशक राधा कृष्ण कुमार ने फैंस को आश्वासन दिया था कि उनकी फिल्म %सिर्फ सिनेमाघरों % में ही रिलीज की जाएगी। दरअसल कोरोना महामारी के कारण रिलीज में हुई के देरी के कारण, अफवाहें फैल रही थीं कि निर्माता इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने की तैयारी में हैं।

रांझी में डॉक्टर के घर दबंगों का आतंक

भतीजे के साथ मारपीट-पत्नी के साथ झूमाझपटी की

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

जबलपुर, यशभारत। रांझी थाना क्षेत्र में बापू नगर निवासी एक डॉक्टर के घर पर बीती रात आधा दर्जन बदमाश घुस गए और तलवार, बेसबॉल के डंडे तथा रोड से डॉक्टर के परिवार पर हमला कर घर में तोड़फोड़ मचा दी। घटना के बाद से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित परिवार ने बदमाशों का तोड़फोड़ एवं हंगामा करते हुए वीडियो बनाकर पुलिस को भेज दिया। जिसके बाद एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देश पर तत्काल सभी हमलावरों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज कर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

रांझी पुलिस ने बताया कि बापू नगर निवासी साधना मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मेरे पति केके मिश्रा का बापू नगर में क्लीनिक है। मकान के बाजू में नितिन सोनकर का मकान है, जिससे उनका पुराना विवाद चल रहा है। इसके पहले भी नितिन सोनकर आदि के खिलाफथाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कल 2 फरवरी को रात में करीब 8:30 बजे मैं अपने बच्चों के साथ घर में थी। तभी नितिन सोनकर, बच्चा उर्फ सुजल सोनकर, रेहान सोनकर टार्जन सोनकर हरीश एवं एक अन्य हाथ में तलवार, रोड एवं डंडा लेकर जबरदस्ती घर में घुस आए। सभी गाली गलौज कर पूछने लगे कहां है डॉक्टर। इसके बाद गाली गलौज करते हुए रोड एवं डंडा से मारपीट करने लगे। नितिन सोनकर ने लोहे की रॉड से भतीजे शशिकांत मिश्रा पर हमला कर दिया। बच्चा सोनकर ने मुझे दाने पैर में बेसबॉल का डंडा मारा है। इसके बाद सभी ने घर में तोड़फोड़ कर दी। घर में रखी मोटरसाइकिल मैं भी तोड़फोड़ कर दी और गाड़ी को पटक-पटक कर नाली में गिरा दिया। इसके बाद पुलिस की गाड़ी का सायरन सुनकर सभी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए हैं। रिपोर्ट पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफएफ्आईआर दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई के निर्देश दिए

बताया जा रहा है कि बदमाशों द्वारा डॉ मिश्रा के घर में किए गए हंगामा, मारपीट और तोड़फोड़ का परिवार के सदस्यों ने अपने मोबाइल पर वीडियो बना लिया7 इसके बाद पीड़ित परिवार ने उक्त वीडियो एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा को भेज दिया। जिसके बाद एसपी के निदेज़्श पर तत्काल ही रांझी पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज कर ली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी नितिन सोनकर एवं उसके चचेरे भाई बच्चा सोनकर को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी फ़रार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

NSA आरोपी डीएम मंसूर का जुलूस निकाल भेजा जेल

जबलपुर,यशभारत। धोखाधड़ी के प्रकरणों में फ़रार सफेदपोश भूमाफ़िया डीएम मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम एनएसए के तहत भी कार्रवाई की गई है। अधारताल थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने बताया कि दीन मोहम्मद उर्फ डीएम मंसूरी के खिलाफदुष्कमज़् कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी करनाए मारपीट समेत सात प्रकरण दजज़ होकर न्यायालय में विचाराधीन हैं। अधारताल थाना में दर्ज धोखाधड़ी समेत अन्य प्रकरणों में वह फ़रार थाए जिसकी तलाश की जा रही थी। पूर्व में उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थीए परंतु उसकी आदतों में सुधार नहीं हुआ। उसके स्वच्छंद विचरण से मानव जीवन के खतरे को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धाथज़ बहुगुणा ने एनएसए प्रतिवेदन तैयार करने के निदेज़्श दिए थे। मंसूरी के खिलाफ एनएसए प्रतिवेदन कलेक्टर कायाज़्लय भेजा गया था। जिस पर सहमत होते हुए जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर कमज़्वीर शर्मा ने एनएसए वारंट जारी कर उसे केंद्रीय जेल में निरुद्ध कराने के निदेज़्श दिए थे। इधरए धोखाधड़ी के प्रकरणों में फ़रार होने के कारण उसकी तलाश की जा रही थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर डीएम मंसूरी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी उपरांत एनएसए वारंट की तामीली कराते हुए उसे न्यायालय तक पैदल लेकर जाया गया, ताकि लोगों के दिलों में उक्त अपराधी का खौफकम हो। जिसके पश्चात उसे न्यायालय ने जेल भेज दिया गया है।

अधारताल पुलिस ने शातिर अपराधी को लिया हिरासत में कई दिनों से था फ़रार

उधारी के चलते घर में घुसकर पीटा

उधारी चुकाने के विवाद के चलते घर में घुसकर एक युवक के साथ मारपीट कर दी गई।

गाली-गलौज करने से किया दबंगों ने मुंह तोड़ दिया

मदन महल पुलिस ने मामला कायम कर जांच में लिया

जबलपुर। महल महल थानान्तगज़्त गंगासागर में दो दबंगों ने युवक का जीना दूभर कर दिया है। छोटी छोटी बातों को लेकर दोनों अक्सर ही उसे जातिगत रूप से अपमानित कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जिनसे त्रस्त होकर पीड़ित ने उनके खिलाफप्रकरण दजज़ कराया है। पुलिस ने बताया कि गंगा सागर में रहने वाले मनीष ठाकुर का क्षेत्र में रहने वाले हिमांशु यादव और राधेस्याम बंजारा से विवाद चल रहा है। इसी खुन्नस के चले दोनों अक्सर ही मनीष को डराते धमकाते रहते हैं। बीती रात बी हिमांशु और राधेस्याम मनीष के घर के सामने जाकर गाली गलौच करने लगे। मनीष ने बाहर निकालकर जब विरोध किया तो दोनों ने उसे हाथ घूसों से पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए वहाँ से चले गए। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुँच कर आरोपियों के खिलाफकायज़्वाही की गुहार लगाई।

यशभारत के 16वें वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक शुभकामनाएं

होटल में काम करने वाला युवक फांसी पर झूला, पुलिस जांच में जुटी

जबलपुर, यशभारत। खमरिया के पिपारिया क्षेत्र में रावत परिवार के घर में उस समय मातम छा गया जब 23 साल के युवक ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक होटल में काम करता था और बीते कुछ माह से वह काम में नहीं जा रहा था। खमरिया पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर युवक के शव को पीएम के लिए भेजते हुए जांच में लिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि गौरव रावत उम्र 23 साल पिता रामकुमार रावत रोजाना की तरह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह देर रात तक गौरव नहीं उठा तो खिड़की खोलकर परिजनों ने देखा तो गौरव फांसी पर झूला हुआ था। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों के बयान दर्ज किए। पुलिस को परिजनों ने बताया कि कुछ माह पूर्व तक गौरव एक होटल में काम करता था लेकिन अब नहीं कर रहा है। गौरव के पिता खंडेलवाल फर्नीचर सिविक सेंटर में काम करते है। गौरव अपने पिता की इकलौती संतान था उसके द्वारा आत्महत्या किए जान से पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

दीनदयाल प्रधान आरक्षक बने

जबलपुर। माढ़ोताल थाना में पदस्थ आरक्षक दीनदयाल तिवारी को प्रधान आरक्षक बनाया गया है।थाना प्रभारी रीना पाण्डे ने आरक्षक दीनदयाल तिवारी के कंधों पर तीन पत्ती लगाकर प्रधान आरक्षक बनाया।

निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के 16वें वर्ष में प्रवेश पर

यश भारत परिवार को

हार्दिक शुभकामनाएं

रामेन्द्र बड़गैंया

(जिला ग्रामीण कांग्रेस कोषाध्यक्ष) जबलपुर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)